1

वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार-पत्र

टेक्सटाइल मिरर

अखिल भारतीय संस्करण

पाक्षिक

Postal Regd. No.: Bhilwara/231/2024-2026

वर्ष : 14 अंक : 9 प्रकाशित : 1 जुलाई, 2025 मगंलवार | Editor : Govind Sharma | स्थान : भीलवाड़ा | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 20 रुपये

घरेलू कपड़ा बाजार में अगले सीजन तक कारोबार कमजोर रहने के आसार

गारमेण्ट निर्यात में 12.80% की वृद्धि के साथ सुधार जारी

प्रवीण राणा /मिरर ब्यूरो

नई दिल्ली/घरेलू बाजार में भले ही टेक्सटाइल एवं गारमेण्ट कारोबार में मंदी चल रही है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में गारमेण्ट सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए निर्यात में दो अंकीय वृद्धि दर्ज की है। दूसरी ओर घरेलू बाजार में समर सीजन के दौरान कारोबार अपेक्षा से कम रहा और इन दिनों बाजार में भारी मंदी चल रही है। घरेलू बाजार को अब अगले फेस्टीवल एवं विंटर सीजन से कारोबार में सुधार की उम्मीद है। अगस्त से बाजार में कारोबारी गतिविधियां आरंभ होंगी जो वर्तमान में रुकी हुई हैं।

देश का टेक्सटाइल एवं गारमेण्ट सेक्टर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार निर्यात में यह वृद्धि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद इस सेक्टर की मजबूती को दर्शाता है। हालांकि कॉटन एवं मेनमेड सेगमेंट के यार्न एवं फैब्रिक्स में मिलाजुला रुख रहा। कच्चे माल के भाव में अनिश्चितता एवं अंतर्राष्ट्रीय मांग में कमी से कुछ उत्पादों के निर्यात में गिरावट भी देखने को मिली।

यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चुनौतियां बनी हुई हैं। उद्योग का कहना है कि हालात में सुधार की उम्मीद है। सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं, नए व्यापार समझौते और पश्चिमी बाजारों से मांग में सुधार इस राह को आसान बना सकते हैं। फिर भी, लॉजिस्टिक लागत, जीएसटी से जुड़ी जटिलताएं और क्रेडिट की किल्लत जैसे मुद्दे अब भी छोटे और मध्यम उद्यमों को दबाव में रखे हुए हैं।

देश के टेक्सटाइल एवं गारमेण्ट निर्यात में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम दो महीनों अप्रैल-मई के दौरान 5.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और इस सेक्टर का निर्यात 6.18 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसमें से गारमेण्ट निर्यात ने 12.80 प्रतिशत की दो अंकीय वृद्धि दर्ज की और यह 2.88 अरब डॉलर रहा।

मई 2025 में गारमेण्ट निर्यात में 11.35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और यह पिछले साल की समान अवधि के 1.35 अरब डॉलर से बढ़कर 1.51 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान टेक्सटाइल निर्यात 2.71 प्रतिशत घटा है और यह पिछले साल के 1.73 अरब डॉलर से घटकर 1.68 अरब डॉलर रह गया।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल-मई 2025 के दौरान देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल एवं गारमेण्ट सेक्टर की हिस्सेदारी बढ़कर 8 प्रतिशत हो गई, जबकि मई 2025 में यह बढ़कर 8.25 प्रतिशत पहुंच गई।

टेक्सटाइल सेक्टर में कॉटन सेगमेंट यार्न, फैब्रिक्स, मेडअप्स और हैंडलूम उत्पादों के निर्यात में 1.39 प्रतिशत की गिरावट आई और यह घटकर 1.929 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। वहीं, मेनमेड सेगमेंट में यार्न फैब्रिक्स और मेडअप्स के निर्यात में 1.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 793.27 मिलियन डॉलर हो गया। कालीन निर्यात में भी 2.07 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 246.93 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया।

घरेलू बाजार में मंदा- इन दिनों घरेलू बाजार में भारी मंदा चल रहा है। अगले सीजन तक कारोबार में मंदा जारी रहने के आसार हैं। समर सीजन उतार पर है और थोक एवं खुदरा व्यापारी पुराने स्टॉक को क्लीयर करने में जुट गए हैं ताकि अगले सीजन की तैयारी कर सकें। खुदरा स्तर पर डिस्काउंट सेल आरंभ हो चुकी हैं। भारी गर्मी एवं उसम की वजह से लोग खरीददारी के लिए बाजार कम जा पा रहे हैं जिससे बाजार में काम नहीं है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार भी समर सीजन के दौरान अपेक्षित कारोबार नहीं हो पाया। मई-जून में कारोबार कमजोर रहा और अब जुलाई में काम के आसार भी नहीं है। अगस्त से अगले सीजन की तैयारियों के साथ ही बाजार में कारोबारी हलचल आरंभ होगी, तब तक इसी प्रकार समय व्यतीत करना पड़ेगा।

गुजरात टेक्सटाइल उद्योग के लिए नई उम्मीद

5,000 करोड़ की पाइपलाइन परियोजना को मिली मंजूरी

सूरत/मिरर संवाददाता

गुजरात के सूरत में स्थित दक्षिण गुजरात टेक्सटाइल प्रोसेसर्स एसोसिएशन ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 5,000 करोड़ रुपये की गहराई समुद्र निकासी पाइपलाइन परियोजना की योजना की घोषणा की है। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राज्य के टेक्सटाइल उद्योग के सतत विकास की दिशा में मील का पत्थर मानी जा रही है।

इस परियोजना के तहत 600 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रति दिन) क्षमता वाली पाइपलाइन अरब सागर में 40 किलोमीटर अंदर तक जाएगी, जिससे टेक्सटाइल प्रोसेसिंग इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। यह पहल भारत में उद्योग और पर्यावरण संतुलन का बेहतरीन उदाहरण है। एसजीटीपीए के अध्यक्ष श्री जीतूभाई वघासिया ने बताया कि यह परियोजना गुजरात के प्रोसेसिंग उद्योग को दीर्घकालिक स्थिरता देगी। हम उद्योग और पर्यावरण के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

परियोजना को गुजरात सरकार का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त है और इसे पीपीपी मॉडल (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत लागू किया जाएगा। यह परियोजना करीब 400 टेक्सटाइल प्रोसेसिंग यूनिट्स को लाभ पहुंचाएगी और आने वाले वर्षों में गुजरात को 'सस्टेनेबल टेक्सटाइल हब' के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। गुजरात राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे पर्यावरणीय मानकों की दिशा में एक 'गोल्ड स्टैंडर्ड' बताया है।

'रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' सर्वे के अनुसार

मई 2025 में खुदरा बिक्री में 7 प्रतिशत की वृद्धि : दक्षिण भारत सबसे आगे

मुंबई/ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) द्वारा जारी 62वें रिटेल बिजनेस सर्वे के अनुसार मई 2025 में भारत की खुदरा बिक्री में मई 2024 की तुलना में 7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। इस रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि देश का रिटेल सेक्टर एक बार फिर गति पकड़ रहा है और उपभोक्ता भावना में सुधार देखने को मिल रहा है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा कि बीते कुछ महीनों से खुदरा क्षेत्र में 4 से 5 प्रतिशत की धीमी वृद्धि देखी जा रही थी, लेकिन मई में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि यह दर्शाती है कि ग्राहक अब विवेकाधीन श्रेणियों में भी खरीदारी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारी सीजन के लिए उद्योग में सकारात्मक दृष्टिकोण बनता दिख रहा है और यह व्यापारिक गतिविधियों में और तेजी ला सकता है।

रिटेलर्स पुराने स्टॉक घटाने के मूड में, शर्टिंग में गारमेंटर्स की मांग

मुम्बई/मिरर ब्यूरो

देश के रेडीमेड गारमेंट बाजार में इन दिनों रिटेल ग्राहकी में सुस्ती देखने को मिल रही है। रिटेलर्स फिलहाल नए स्टॉक की खरीद से अधिक पुराने अनसोल्ड माल को क्लियर करने पर ध्यान दे रहे हैं। मानसून के चलते बाजार में नई वैरायटी की आमद भी कम है, जिससे गारमेंट उत्पादकों का फोकस आगामी त्योहार और वैवाहिक सीजन के लिए सेम्पलिंग और बुकिंग पर केंद्रित हो गया है।

विशेष रूप से शर्टिंग फेब्रिक की मांग में इजाफा देखा जा रहा है। फैशन और फैशनेबल शर्टिंग वेरायटी की पूछताछ बढ़ रही है। दक्षिण भारत से अच्छे ऑर्डर सपोर्ट के चलते कई गारमेंट इकाइयों में उत्पादन में वृद्धि देखी गई है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में कारीगरों की कमी के चलते उत्पादन प्रक्रिया पर असर पड़ा है।

लॉजिस्टिक चिंता के बीच निर्यात में आशाजनक वृद्धि

इजराइल-ईरान तनाव से उत्पन्न लॉजिस्टिक लागत बढ़ने की आशंका निर्यातकों को चिंता में डाल रही है। इसके बावजूद, मई महीने में रेडीमेड गारमेंट का निर्यात 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वहीं अप्रैल-मई 2025 में यह 13 प्रतिशत बढ़कर 3 अरब डॉलर हो गया।

बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट और अमेरिका व ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति से भारत के गारमेंट एक्सपोर्ट को निरंतर गति मिल रही है।

रिटेलर्स की रणनीति : स्टॉक क्लियरेंस के बाद नई वेरायटी का संकलन

गर्मी की सीजनल बिक्री घटने के बाद रिटेल में ग्राहकी कमजोर हुई है। ऐसे में खुदरा विक्रेताओं की प्राथमिकता नई वेरायटी की खरीदारी के बजाय पुराने स्टॉक को निकालने की है। उनका मानना है कि अगस्त में आने वाले त्योहारों और नवम्बर से शुरू हो रहे विवाह सीजन से पहले बाजार में नई रौनक देखने को मिलेगी।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस बार मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में दीपावली से पहले ही मजबूत मांग निकल सकती है। गारमेंट इकाइयों ने सेम्पलिंग कार्य लगभग पूर्ण कर लिया है, और अब वे ऑर्डर बुकिंग के लिए सक्रिय हो गए हैं।

निर्यात अवसर: चीन और बांग्लादेश से आगे निकलने की होड़

भारतीय गारमेंट उद्योग के लिए यह एक सुनहरा अवसर बनता जा रहा है। वर्तमान में अमेरिका के 120 अरब डॉलर के गारमेंट बाजार में भारत का हिस्सा सिर्फ 10 अरब डॉलर है, जबकि चीन का 30 अरब डॉलर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारतीय उत्पादकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चा माल मिल जाए, तो देश का निर्यात कई गुना बढ़ सकता है।

कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री के मुताबिक पश्चिमी देशों के खरीददार अब भारत को चीन और बांग्लादेश की तुलना में अधिक विश्वसनीय मानते हैं।

पिछले वर्ष अगस्त में बांग्लादेश में सरकार परिवर्तन के बाद उत्पन्न राजनीतिक अस्थिरता के कारण पश्चिमी देशों के बड़े ऑर्डर भारत की ओर शिफ्ट हुए हैं। बांग्लादेश की गारमेंट उत्पादन क्षमता भले ही अधिक हो, लेकिन अस्थिरता ने उनकी साख पर असर डाला है।

कुप्पाडम सिल्क साड़ी को 'वन डिस्ट्रीक्ट वन प्रोडक्ट' में स्थान

चिराला/ भारतीय पारंपरिक वस्त्रों की समृद्ध विरासत को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आंध्र प्रदेश के चिराला क्षेत्र की प्रसिद्ध कुप्पाडम सिल्क साड़ी को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'वन डिस्ट्रीक्ट वन प्रोडक्ट' के अंतर्गत राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है। यह मान्यता कारीगरों की वर्षों पुरानी बुनाई परंपरा और अनोखी डिज़ाइन शैली को संरक्षण और प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है।

कुप्पाडम साड़ी अपने शानदार डिज़ाइनों, चमकदार ज़री बॉर्डर और पारंपरिक टेम्पल मोटिफ्स के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र के हज़ारों बुनकर दशकों से इस कला को जीवित रखे हुए हैं। 'वन डिस्ट्रीक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के अंतर्गत अब इस साड़ी को विशेष बाजार, ब्रांडिंग और निर्यात सहायता प्राप्त होगी, जिससे स्थानीय बुनकर समुदाय को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

मध्य प्रदेश के जेतापुर औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की बाढ़

टेक्सटाइल और चिपकने वाले उद्योगों की बढ़ती रुचि से क्षेत्र को नई रफ्तार

मध्य प्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे जेतापुर औद्योगिक क्षेत्र ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में जारी हुई औपचारिक जानकारी के अनुसार, इस क्षेत्र में 25 से अधिक कंपनियों ने अपने निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, जिनमें से कई पहले ही संचालन शुरू कर चुकी हैं या निर्माण प्रक्रिया में हैं।

मुख्य हाइलाइट्स-

-200 हेक्टेयर भूमि में विकसित इस क्षेत्र में टेक्सटाइल, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग, चिपकने वाले, और निर्माण सामग्री उद्योगों की प्रमुख भागीदारी देखी जा रही है।

-अब तक 25 इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है, जिनमें 4 इकाइयों ने उत्पादन आरंभ कर दिया है और 15 निर्माण चरण में हैं।

अनुमानित निवेश-

-चिपकने वाले और निर्माण समाधान निर्माता- 31 करोड़ रुपये

-परिधान (गारमेंट) कंपनियाँ- 70 करोड़ रुपये से अधिक

मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'जेतापुर क्लस्टर अब एक नया मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है।

यह निवेश न केवल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति देगा बल्कि सैकड़ों लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा।'

निवेश का मुख्य कारण-

-सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा

-परिवहन और लॉजिस्टिक्स की बेहतर सुविधा

-राज्य सरकार की उद्योग-समर्थक नीतियाँ

-कच्चे माल की आसान उपलब्धता और कुशल श्रमिकों की उपस्थिति

सरकार की योजनाएं-

राज्य सरकार एमएसएमई को तकनीकी सहायता, बिजली दरों में छूट और सब्सिडी जैसी सुविधाएं प्रदान कर रही है।

आने वाले महीनों में 'गारमेण्ट ट्रेनिंग एण्ड इनोवेशन सेण्टर' की स्थापना की योजना है ताकि स्थानीय युवाओं को आवश्यक कौशल मिल सके।

भविष्य की दृष्टि-

राज्य सरकार का लक्ष्य जेतापुर को एक 'टेक्सटाइल और स्पेशल्टी मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर' के रूप में विकसित करना है, जो न केवल घरेलू बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धी बन सके।

Raising Funds Through IPO?
Call: 7984447875
Vishnu Somani

रिलायंस और शीन की साझेदारी से 'मेक इन इंडिया' को मिलेगा नया बल

मुम्बई/ भारत की अग्रणी कंपनी रिलायंस रिटेल और वैश्विक फैशन ई-कॉमर्स ब्रांड 'शीन' के बीच एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की गई है, जो भारत को वैश्विक परिधान विनिर्माण मानचित्र पर एक सशक्त उपस्थिति दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस साझेदारी के तहत, भारत में निर्मित वस्त्र 'मेड इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड' दृष्टिकोण के अंतर्गत दुनियाभर में निर्यात किए जाएंगे। इससे देश के स्थानीय टेक्सटाइल और गारमेण्ट उद्योग को न केवल नया बाज़ार मिलेगा बल्कि लाखों कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

संपादकीय

वर्ष-14 अंक- 9

फेब्रिक नहीं, फ्यूचर बेचिए

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में वस्त्र केवल पहनावे का हिस्सा नहीं, बल्कि संस्कृति, पहचान और जीवनशैली का प्रतीक रहा है। लेकिन आज टेक्सटाइल उद्योग एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ केवल फैब्रिक बेचना अब पर्याप्त नहीं। अब ग्राहक सिर्फ कपड़ा नहीं, समाधान चाहता है। ऐसे में ब्रांड्स और वितरकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी उन्हें फैब्रिक नहीं, फ्यूचर बेचना होगा।

आज का ग्राहक फैशन-प्रेमी ही नहीं, विचारशील भी है। वह यह जानना चाहता है कि जिस कपड़े को वह पहन रहा है, वह टिकाऊ है या नहीं, पर्यावरण के अनुकूल है या नहीं, और क्या वह आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है? इसी सोच ने टेक्सटाइल इंडस्ट्री में एक नया बदलाव लाया है अब सामान्य फैब्रिक की जगह स्मार्ट, सस्टेनेबल और कस्टमाइज्ड यूनिफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

इसीलिए आज एक सफल निर्माता या डीलर वही है जो अपने उत्पाद को केवल 'मेटर-कपड़ा' न मानकर, एक पूर्ण समाधान के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें डिज़ाइन, टिकाऊपन, परफोर्मेंस और ब्रांड वैल्यू सब कुछ शामिल हो। इसे ही 'फैब्रिक-टू-फिनिश मॉडल' कहा जा रहा है।

यूनिफॉर्म सेगमेंट में यह बदलाव और भी तेज़ी से महसूस किया जा रहा है। स्कूल हो या हॉस्पीटल, फैक्ट्री हो या फाइव स्टार होटल सभी संस्थाएं अब ऐसे उत्पाद चाहती हैं जो कार्यात्मक होने के साथ-साथ आकर्षक और प्रीमियम लुक वाले भी हों। यही कारण है कि फंक्शनल फैब्रिक जैसे कि एंटी-बैक्टीरियल, स्टेन रेज़िस्टेंट, यूवी प्रोटेक्टिव कपड़ों की मांग तेजी से बढ़ी है।

इसके अलावा, आज का बाज़ार टेक्नोलॉजी-ड्रिवन हो चुका है। अब ग्राहकों से संवाद वाट्सअ, वेबसाइट और सोशल मीडिया के ज़रिए हो रहा है। ऐसे में ब्रांड की डिजिटल प्रेज़ेंस ही उसका चेहरा बन चुकी है। पुराने तरीके की कैटलॉगिंग और बिक्री प्रणाली अब समय के अनुरूप नहीं रही।

इन सभी परिवर्तनों का सार यही है, यदि टेक्सटाइल व्यवसाय को भविष्य में प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहना है, तो उसे अब कपड़ा नहीं, अनुभव, समाधान और भरोसे का पैकेज बेचना होगा।

अब ज़रूरत है सोच बदलने की। केवल कपड़ा बेचने की बजाय यदि हम ग्राहकों की समस्याओं का समाधान, उनके संस्थान की पहचान और उनके विज़न का समर्थन करें, तभी हम टेक्सटाइल में सिर्फ मुनाफा नहीं, स्थायी रिश्ता और ब्रांड वैल्यू भी अर्जित कर सकते हैं।

"अब समय है फैब्रिक नहीं, फ्यूचर बेचने का।"

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने की टेक्सटाइल सचिव श्रीमती नीलम शमी राव के साथ संवादात्मक बैठक

-चैंबर अध्यक्ष ने सूरत टेक्सटाइल उद्योग के लिए सीएफसी (कॉमन फैसिलिटी सेंटर) शुरू करने, दक्षिण गुजरात के उद्योग की स्थिरता के लिए 1200 करोड़ रुपये की सहायता और तत्काल आधार पर पी-एम मित्र पार्क शुरू करने के लिए बोर्ड में चैंबर को शामिल करने का प्रस्ताव रखा और इसके लिए चैंबर मदद कर सकता है।

-योजना में बजट आवंटन वित्त समिति द्वारा किया जाता है। सरकार द्वारा जल्द ही 16वें वित्त आयोग का गठन किया जाएगा। उसके बाद, टेक्सटाइल विभाग द्वारा आयोग के समक्ष अपनी रिपोर्ट पेश की जाएगी

श्रीमती नीलम शमी राव

सूरत/ गणपत भंसाली

सूरत/सरथाणा स्थित सेमिनार हॉल में दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा भारत सरकार की टेक्सटाइल्स सेक्रेटरी श्रीमती नीलम शमी राव के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में श्रीमती नीलम शमी के समक्ष चेम्बर के प्रतिनिधियों द्वारा टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े विभिन्न प्रश्नों को प्रस्तुत किया। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री विजय मेवावाला ने अपने स्वागत भाषण में कहा, ''भारत आज अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वैश्विक टेक्सटाइल बाजार में भारत दूसरे स्थान पर है। हालांकि, चीन और भारत के टेक्सटाइल उत्पादन के आंकड़ों में बहुत बड़ा अंतर है। भारत की टेक्सटाइल क्षेत्र में दुनिया में केवल 5 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि चीन की 35 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसा कहा जाता है कि चीन में हर साल टेक्सटाइल क्षेत्र में 40,000 पेटेंट दायर किए जाते हैं, जबकि भारत में 400 से भी कम पेटेंट पंजीकृत होते हैं। उन्होंने आगे कहा, ''दुनिया का कपड़ा बाजार मूल्य के प्रति संवेदनशील है। जो देश सस्ते और गुणवत्ता वाले कपड़े का उत्पादन कर सकता है वही देश दुनिया में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। भारत सरकार ने यार्न सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए क्यूसीओ आदेश पेश किया था। क्यूसीओ के लागू होने के बाद भारत में यार्न की कीमतें वैश्विक बाजार की तुलना में 25-30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। भारत में यार्न के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया तो फैब्रिक्स और गारमेण्ट का आयात बढ़ गया है। इन हालातों में भारतीय निर्माता आज बढ़ते भारतीय बाजार का लाभ नहीं उठा सकते हैं, तो चीन इसका फायदा उठाएगा और अपने उत्पादों को भारत में डंप करेगा। इसलिए भारत को वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता वाले कपड़े का उत्पादन करना होगा, फैशन, डिजाइन और गारमेंटिंग भी सबसे अच्छा होना चाहिए, उन्होंने कहा।

श्रीमती नीलम शमी राव

इस अवसर पर उन्होंने सूरत टेक्सटाइल उद्योग के लिए सीएफसी (कॉमन फैसिलिटी सेंटर) स्थापित करने व दक्षिण गुजरात के उद्योग की स्थिरता के लिए 1200 करोड़ रुपए की सहायता तथा पी-एम मित्र पार्क को तत्काल शुरू करने तथा बोर्ड में चैंबर को शामिल करने का प्रस्ताव रखा, ताकि चैंबर इसमें सहायता कर सके। भारत सरकार की टेक्सटाइल सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने कहा फिलहाल सभी योजनाएं विचाराधीन हैं। सरकार पीएलआई योजना के विस्तार के बारे में विचार कर रही है। टेक्सटाइल क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने के लिए अतिरिक्त टेक्सटाइल सचिव द्वारा अध्ययन किया जा रहा है, जिसके बाद देश की अधिकांश संस्थाओं के साथ समन्वय करके योजनाओं की रूपरेखा पूरी तरह तैयार की जाएगी तथा उसके बाद योजनाओं की घोषणा की जाएगी। योजना के लिए बजट आवंटन वित्त समिति द्वारा किया जाता है। सरकार द्वारा जल्द ही 16वें वित्त आयोग का गठन किया जाएगा। इसके बाद टेक्सटाइल विभाग अपनी रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

उन्होंने आगे कहा, 'सूरत में ही भारत के टेक्सटाइल उद्योग को 30 बिलियन डॉलर से 100 बिलियन डॉलर तक ले जाने की क्षमता है। सूरत के टेक्सटाइल उद्योगपतियों को प्रयास करना चाहिए कि वे दूसरे देशों में बनने वाले कपड़ों की तरह ही गुणवत्तापूर्ण कपड़े बनाएं और कपड़े खरीदने वाले दूसरे देशों को अपना ग्राहक बनाएं। सरकार निकट भविष्य में तकनीकी टेक्सटाइल पर इंजीनियरिंग के नए पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रयास कर रही है। टेक्सटाइल विभाग द्वारा अगले 3-4 महीनों में टीयूएफ 'टफ' योजनाओं की लंबित फाइलों को निपटाने का प्रयास किया जाएगा।'

चेंबर की टेक्सटाइल टास्क फोर्स कमेटी के चेयरमैन श्री आशीष गुजराती ने सूरत के टेक्सटाइल उद्योग की तस्वीर पेश करते हुए कहा कि अगले पांच सालों में सूरत के टेक्सटाइल उद्योग में करीब 49,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है। जिसमें वीविंग, निटिंग, एम्ब्रॉयडरी और प्रोसेसिंग शामिल हैं। सूरत में चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा 80,000 वाटरजेट हैं, जो अगले पांच साल में बढ़कर 4 लाख होने की संभावना है, इसलिए उन्होंने मांग की कि सूरत को और अधिक सीईटीपी आवंटित किए जाएं। इस बैठक में कपड़ा उद्योग के उद्योगपतियों ने स्पिनिंग- निटिंग में पीएलआई योजना को सामान्य (सभी के लिए खुला) बनाने, जीएसटी में आवक शुल्क में स्पिनरों को होने वाली समस्याओं, जरी उद्योग की मशीनों को ए-टीयूएफ ए-टफ में शामिल करने और चूंकि सूरत में 13 उप-क्लस्टर हैं, इसलिए अधिक से अधिक सीईटीपी, विशेष रूप से वाटरजेट इकाइयों को क्लस्टर विशिष्ट मेगा पावरलूम क्लस्टर डेवलपर योजना के तहत सीएफए (केंद्रीय वित्तीय सहायता) प्रदान किया जाना चाहिए। इसके अलावा बैठक में पोलिएस्टर यार्न पर बीआईएस, क्यूसीओ, आरओडीटीईपी, टीयूएफ, ए-टीयूएफ, पीएलआई योजना, जरी उद्योग में आईटीसी की अनुपलब्धता के बारे में सवाल उठाए गए। बैठक का संचालन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष-चुने हुए श्री निखिल मद्रासी ने किया। इस अवसर पर चैंबर के तत्कालीन सेवानिवृत्त अध्यक्ष श्री रमेश वघासिया, चैंबर की टेक्सटाइल टास्क फोर्स कमेटी के सलाहकार श्री एस.पी. वर्मा, एफआईएएससी के चेयरमैन श्री भरत गांधी, एसआरटीईपीसी के श्री धीरज शाह, केमिकल टेक्नोलॉजी डिविजन के प्रमुख श्री नितिन शाह और श्री गिरीश लूथरा के साथ-साथ टेक्सटाइल उद्योगपति भी उपस्थित थे। चैंबर के निर्वाचित उपाध्यक्ष श्री अशोक जीरावाला ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

हेड ऑफिस

'मिरर हाउस' डी-297/2,
पन्नाधाय सर्कल के पास, आजाद नगर
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मोबाइल : 9829085976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

संस्थापक
श्री रामगोपाल शर्मा

प्रधान संपादक
गोविन्द नारायण शर्मा

मुंबई एसोसिएट
कीर्ति दवे

संपादकीय सलाहकार

श्री रमेश जी पोद्दार
सियाराम सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री राजेन्द्र जी अग्रवाल
मैनेजिंग डायरेक्टर
डोनियर इण्डस्ट्रीज, मुंबई

श्री जी.डी. राठी जी
एसजीएस सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री सुनील जी टिबरेवाल
क्यूमेक्स वर्ल्ड, मुंबई

श्री देवकीनंदन जी जिंदल
चैयरमेन, बजाज ग्रुप-मुंबई

श्री नरेश जी (मीनू) अग्रवाल
डायरेक्टर-चिनार सिन्टेक्स लि. (भिवानी)

श्री शरद जी टण्डन
एसटण्डन कंसल्टिंग, मुंबई

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक
गोविन्द नारायण शर्मा द्वारा
मिरर हाउस, डी-297/2,
आजाद नगर, भीलवाड़ा (राज.) से
प्रकाशित एवं रेनबो ऑफसेट प्रिण्टर्स,
बी-3, सुदर्शनपुरा इण्डस्ट्रीयल
एरिया, जयपुर से मुद्रित।
संपादक-गोविन्द नारायण शर्मा,
फोन- 98290 85976
E-mail: textilemirror1@gmail.com
सभी विवादों हेतु न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही है।

राज्य सरकार ने टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क के लिए निजी भूमि के उपयोग को दी मंजूरी

कोल्हापुर / बाबा खाड़े

राज्य सरकार ने वस्त्रोद्योग को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अब टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क को निजी भूमि पर स्थापित करने की अनुमति दे दी है। पूर्व में यह शर्त थी कि ऐसे पार्क केवल औद्योगिक क्षेत्रों में ही स्थापित किए जाएं, लेकिन भूमि की अनुपलब्धता और उच्च दरों के कारण यह योजना अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाई थी।

एकात्मक व शाश्वत वस्त्रोद्योग नीति के अंतर्गत प्रत्येक महसूल विभाग में टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। शासन की ओर से मार्गदर्शक सूचना जारी कर वित्तीय सहायता की व्यवस्था भी की गई थी। लेकिन विकसित औद्योगिक वसाहतों में 25 से 30 एकड़ जमीन उपलब्ध न होने, अधिक दरें होने और पूरक सुविधाओं की कमी के चलते निवेशकों ने रुचि नहीं दिखाई।

निजी भूमि पर पार्क स्थापित करने की अनुमति की मांग उद्यमियों और औद्योगिक महासंघ द्वारा की जा रही थी, जो अब सफल रही है। राज्य सरकार ने संशोधित नीति के तहत निजी भूमि पर भी टेक्निकल टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी प्रदान कर दी है।

नई नीति के अनुसार यदि पार्क निजी भूमि पर स्थापित किया जाता है, तो वहां की आधारभूत सुविधाओं जैसे सड़क, बिजली, पानी आदि का विकास निवेशकर्ता को स्वयं करना होगा।

इस निर्णय से इचलकरंजी सहित राज्य के प्रमुख वस्त्रोद्योग केंद्रों में टेक्सटाइल पार्क स्थापना की प्रक्रिया तेज होगी और इससे स्थानीय रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर: महाराष्ट्र के व्यापार पर मंडराया संकट : चेंबर ने शुरू की तैयारी

कोल्हापुर/ पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इज़राइल युद्ध का प्रभाव वैश्विक व्यापार पर साफ दिखने लगा है। महाराष्ट्र से यूरोप को होने वाले निर्यात पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र चेंबर ऑफ कॉमर्स ने संभावित विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है।

राज्य से टेक्सटाइल, कृषि उत्पाद और ऑटो पार्ट्स जैसे उत्पादों का निर्यात मुख्य रूप से लाल सागर के समुद्री मार्ग से होता है। देश का करीब 75 प्रतिशत समुद्री व्यापार इसी मार्ग से संचालित होता है। युद्ध की स्थिति में यह मार्ग अस्थायी रूप से बंद हो सकता है, जिससे निर्यात महंगा और बाधित हो सकता है।

महाराष्ट्र चेंबर के अध्यक्ष ललित गांधी ने बताया कि इस संकट से निपटने के लिए एक विशेष समिति बनाई गई है जो यह अध्ययन कर रही है कि किन वैकल्पिक समुद्री मार्गों से आयात-निर्यात जारी रखा जा सकता है और किस तरह सरकार से सहयोग लिया जा सकता है।

समिति द्वारा तैयार रिपोर्ट जल्द ही केंद्र सरकार को सौंपे जाने की योजना है, ताकि नीति स्तर पर समय रहते निर्णय लिए जा सकें।

गांधी ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि व्यापार और रोजगार प्रभावित न हो। संकट के समय में समाधान की दिशा में सक्रिय रहना जरूरी है। यह कदम इस बात का संकेत है कि महाराष्ट्र का उद्योग जगत संभावित वैश्विक संकट के लिए सजग और सक्रिय है।

गारमेण्ट में ग्राहकी कमजोर रहने से कारोबार नगण्य

नई दिल्ली/ मिरर संवाददाता

रेडीमेड गारमेण्ट में ग्राहकों का आवागमन रुका हुआ है जिससे बाजार में ग्राहकी कमजोर है और कारोबार नगण्य रह गया है। बाजार में छिटपुट ग्राहकी रह गई है। सभी प्रकार के गारमेण्ट में कारोबार कमजोर है। कॉटन एवं हौजरी गारमेण्ट में भी काम नहीं है। बाजार में गर्मी एवं उमस से ग्राहक नहीं आ रहे हैं। खुदरा स्तर पर मांग नहीं है और अगला सीजन अभी दूर है इसलिए व्यापारी खरीददारी के लिए नहीं आ रहा है। व्यापारियों के अनुसार खुदरा स्तर पर अब मानसून डिस्काउंट सेल आरंभ हो जाएगी जिससे थोक स्तर पर ग्राहकी कमजोर रहेगी। व्यापारी अब पुराने स्टॉक को क्लीयर करने में जुट जाएंगे।

व्यापारियों के अनुसार रेडीमेड में काम नहीं है। इन दिनों ग्राहकों ग्राहकों का आवागमन बिल्कुल रुका हुआ है क्योंकि इस समय कोई तीज-त्योहार भी नहीं है। दूसरी ओर भंयकर गर्मी एवं उमस हो रही है जिससे बाजार में ग्राहक आ ही नहीं रहा है। व्यापारियों के अनुसार मई-जून में भी इस बार काम नहीं चला। लेडीज, जेन्ट्स एवं बच्चों सहित किसी भी प्रकार के गारमेण्ट की मांग नहीं है। कॉटन फैब्रिक्स एवं हौजरी से निर्मित गारमेण्ट में भी कारोबार कमजोर बना हुआ है। व्यापारियों के अनुसार रेडीमेड गारमेण्ट में इस बार समर सीजन के दौरान कारोबार कमजोर ही रहा। कॉटन फैब्रिक्स एवं होजरी से निर्मित गारमेण्ट में भी इस सीजन में काम नहीं चला है। जबकि गर्मी के सीजन में इन आइटमों में फिर भी काम अच्छा रहता था। इस बार शर्ट-ट्राउजर एवं जींस की मांग भी बहुत कम है।

कुर्ता-पजामा एवं नाईटी गाउन में भी मांग सीमित ही है। हौजरी गारमेण्ट टी-शर्ट, पजामा, बच्चों के गारमेंट आदि में ग्राहकी कमजोर है। कॉटन एवं हौजरी की फ्रॉक की मांग भी नगण्य है। लेडीज ड्रेस में भी ग्राहकी कमजोर है। कॉटन कुर्ती सूट, कॉटन की *शर्ट, कुर्ती एवं टॉप की छिटपुट मांग है।*

मानसून की बरसात ने थामी कपड़ा बाजार का रफ्तार

अब सावन तीज पर उम्मीदें टिकीं

गंगापुरसिटी/ जे.पी. शर्मा

मानसून की जोरदार दस्तक के साथ ही गंगापुर सिटी समेत आस-पास के कपड़ा बाजारों में ग्राहकी पर ब्रेक लग गया है। वैवाहिक सीजन की समाप्ति और निरंतर बारिश के चलते पुरुष एवं महिला परिधानों की मांग थम सी गई है। थोक और खुदरा कारोबार की गतिविधियाँ फिलहाल ठंडी पड़ी हुई हैं।

कपड़ा व्यापारियों का कहना है कि मानसून के आगमन के साथ ही हर साल की तरह इस बार भी परिधान वर्ग की ग्राहकी में गिरावट आई है। सूटिंग-शर्टिंग, कुर्ता-पायजामा फैब्रिक्स, महिलाओं के रेडीमेड गारमेंट्स, साड़ी, लहंगा-लांचा, लुगड़ी आदि सभी वर्गों में बिक्री सीमित हो गई है। बाजार में व्यापारी सुस्त माहौल में नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ व्यापारी पर्यटन स्थलों पर सैर-सपाटे पर निकल गए हैं।

हालांकि दूसरी ओर बरसात से जुड़े उत्पाद जैसे छाता, त्रिपाल, रेनकोट और बारिश के विशेष परिधान की मांग बढ़ी है। वहीं किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है। खरीफ फसलों की बुवाई शुरू हो गई है, जिससे खाद-बीज की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है। किसानों का मानना है कि यदि बारिश इसी तरह समय-समय पर होती रही, तो अच्छी पैदावार की उम्मीद की जा सकती है।

अब व्यापारियों की नजर जुलाई में आने वाले सावन तीज-त्यौहारों पर टिकी हुई है। व्यापारियों ने आगामी सीजन के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूरत से सिंथेटिक साड़ियाँ, लहरिया, बुटिक, सतरंगी साड़ियों की मांग धीरे-धीरे उठने लगी है। लेडीज़ सूट्स व दुपट्टों की कॉटन प्रिंटेड और एम्ब्रॉइडरी किस्मों में भी हलचल शुरू हो रही है।

रेडीमेड वस्त्रों में बच्चों से लेकर युवतियों और महिलाओं के लिए ट्रेंडिंग डिज़ाइन की डिमांड को देखते हुए नाइटियाँ, गाउन सेट्स, कुर्तियाँ, टॉप्स, शॉट्स, डेनिम जींस, ट्राउजर, प्लाजो, गरारे-शरारे आदि की तैयारी शुरू हो गई है। वहीं पुरुषों के लिए कॉटन शर्ट्स, टी-शर्ट्स, जींस, कुर्ता-पायजामा की डिमांड को लेकर व्यापारी उत्साहित हैं।

शादी-ब्याह और मांगलिक कार्यक्रमों का अगला दौर अब 2 नवम्बर (देव उठनी एकादशी) से शुरू होगा। ऐसे में व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि तीज-त्योहार और स्कूल यूनिफॉर्म के साथ बाजार में धीरे-धीरे रौनक लौटेगी और कारोबारी गतिविधियों को नया बल मिलेगा।

डिस्काउंट ऑफर कर पुराना स्टॉक क्लीयर करने में जुटे खुदरा व्यापारी

ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल में भी ग्राहकी सीमित

नई दिल्ली/ प्रवीण राणा

कपड़ा बाजार में थोक स्तर छिटपुट ग्राहकी है और कारोबार लगभग रुका हुआ है और व्यापारी खाली बैठे समय व्यतीत कर रहे हैं। डिस्काउंट ऑफर कर खुदरा व्यापारी अपना पुराना स्टॉक क्लीयर करने में जुटे हुए हैं ताकि अगले सीजन की तैयारी कर सके। व्यापारियों का कहना है कि अगस्त से अगले सीजन की तैयारी करेंगे और मध्य अगस्त से बाजार में मूवमेंट आरंभ होने लगेगी। भारी गर्मी एवं उमस की वजह से भी बाजार में ग्राहक नहीं जा रहे हैं जिससे बाजार में लगभग सन्नाटा है। वैसे भी इन दिनों कोई लग्न एवं त्योहार नहीं है जिससे कपड़े की मांग बहुत कम है। थोक स्तर पर केवल रंग-डिजाइन पूर्ति के लिए छिटपुट मांग है। सूटिंग-शर्टिंग एवं साड़ियों में ग्राहकी नगण्य है। ड्रेस में कैम्ब्रिक, सॉटन एवं रेयोन प्रिंट ही ज्यादा बिक रहा है। पोपलीन रंगीन एवं सफेद में भी काम कम है। ब्लाउज मटेरियल टू बाई टू रूबिया की मांग भी कम है।

व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण खुदरा बाजारों ग्राहक नहीं आ रहे हैं जबकि थोक बाजार में ग्राहकों का आवागमन रुका हुआ है क्योंकि इस समय लग्न नहीं है और कोई त्योहार भी नहीं हैं। केवल रंग एवं डिजाईन पूर्ति भर की ग्राहकी रह गई है। व्यापारी कोई नया माल नहीं खरीद रहा है। इस प्रकार सीजनल फैब्रिक्स कॉटन एवं लिनन सहित सभी आइटमों में ग्राहकी कमजोर है। व्यापारियों का कहना है कि जुलाई में भी ग्राहकी के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। जुलाई में लग्न तो हैं लेकिन बरसात में ग्रामीण क्षेत्रों में ही सीमित संख्या में लग्न होते हैं। जुलाई में शहरों में लग्न नहीं होते हैं। पहले रक्षाबंधन एवं सावन तीज त्योहार पर काम चलता था लेकिन अब कई सालों से काम नहीं चल पा रहा है। इसलिए इन त्योहारों से भी कोई अपेक्षा नहीं है। कुल मिलाकर वर्तमान समर सीजन में कारोबार कमजोर ही रहा है। व्यापारियों का कहना है कि इस समर सीजन के दौरान कारोबार कमजोर रहा क्योंकि मई-जून में लग्न होने के बावजूद भी काम नहीं चला।

ग्राहकी का वर्तमान रुझान देखते हुए थोक व्यापारी अभी समय व्यतीत कर रहे हैं। आने वाले महीनों में निर्माता अगले सीजन की तैयारी करेंगे। इन दिनों बाजार में व्यापारियों का आवागमन नगण्य रह गया है। सूटिंग-शर्टिंग में थोक स्तर पर रेग्यूलर रंग-डिजाइन की छिटपुट मांग है। खुदरा स्तर पर मांग नहीं है इसलिए खुदरा व्यापारी केवल अपने रंग-डिजाइन पूरा कर रहे हैं। थोक व्यापारी नया माल नहीं खरीद रहे हैं। दिसावरी व्यापारियों का आवागमन रुका हुआ है।

व्यापारियों का कहना है कि वैसे तो मई-जून में कारोबार कमजोर ही रहता है लेकिन इस बार काम ज्यादा कमजोर रहा। लग्न होने के बावजूद भी काम नहीं चला जबकि लग्न में लेन-देन के लिए कपड़े की मांग रहती है जिसमें सूटिगं-शर्टिंग में गिफ्टिंग पैकिंग की मांग रहती है लेकिन इस बार इन आइटमों में काम नहीं चला। व्यापारियों का मानना है कि अब शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी गर्मी में लग्न नहीं हो रहे हैं। सूटिंग-शर्टिंग में मुश्किल से 20-25 प्रतिशत कारोबार हो रहा है। रिटेल में बिक्री नहीं होने से रिटेलर खरीददारी के लिए नहीं आ रहे हैं। शर्टिंग में कॉटन, लिनन, पीसी में भी मामूली ग्राहकी है।

वेलवेट होम के श्री दीपक गुप्ता के अनुसार बाजार में अभी काम नहीं है। शर्टिंग एवं कुर्ता फैब्रिक्स में कॉटन एवं लिनन की मांग भी मामूली रह गई।

सीजनल बारीक फैब्रिक्स, कॉटन, लिनन, रूबिया, पोपलीन, अस्तर आदि के काम में भी गिरावट आई है। ड्रेस मटेरियल में पोपलीन रंगीन एवं सफेद कम बिक रहा है। कैम्ब्रिक प्रिंट एवं साटन की छिटपुट मांग बनी हुई है। अस्तर, कुर्ता फैब्रिक्स, खादी, रेयॉन एवं मोडाल आदि बारीक फैब्रिक्स की मांग में भी कम है। ब्लाउज मटेरियल में टू बाई टू की मामूली मांग है।

साड़ियों में काम नहीं- साड़ियों में थोक स्तर पर काम नहीं है। खुदरा व्यापारी डिस्काउंट ऑफर कर अपना पुराना स्टॉक क्लीयर कर रहे हैं ताकि आने वाले दिनों में नए सीजन की तैयारी की जा सके। लग्न नहीं होने से साड़ियों के साथ लहंगा, लांचा आदि में भी ग्राहकी नगण्य रह गई है। इस बार मई-जून में लग्न की ग्राहकी कमजोर रही। जुलाई के लग्न के लिए भी काम नहीं चला। कॉटन एवं सिंथेटिक प्रिंटेड साड़ियों में ग्राहकी नगण्य है। व्यापारियों के अनुसार आगे भी कारोबार कमजोर रहने की धारणा है।

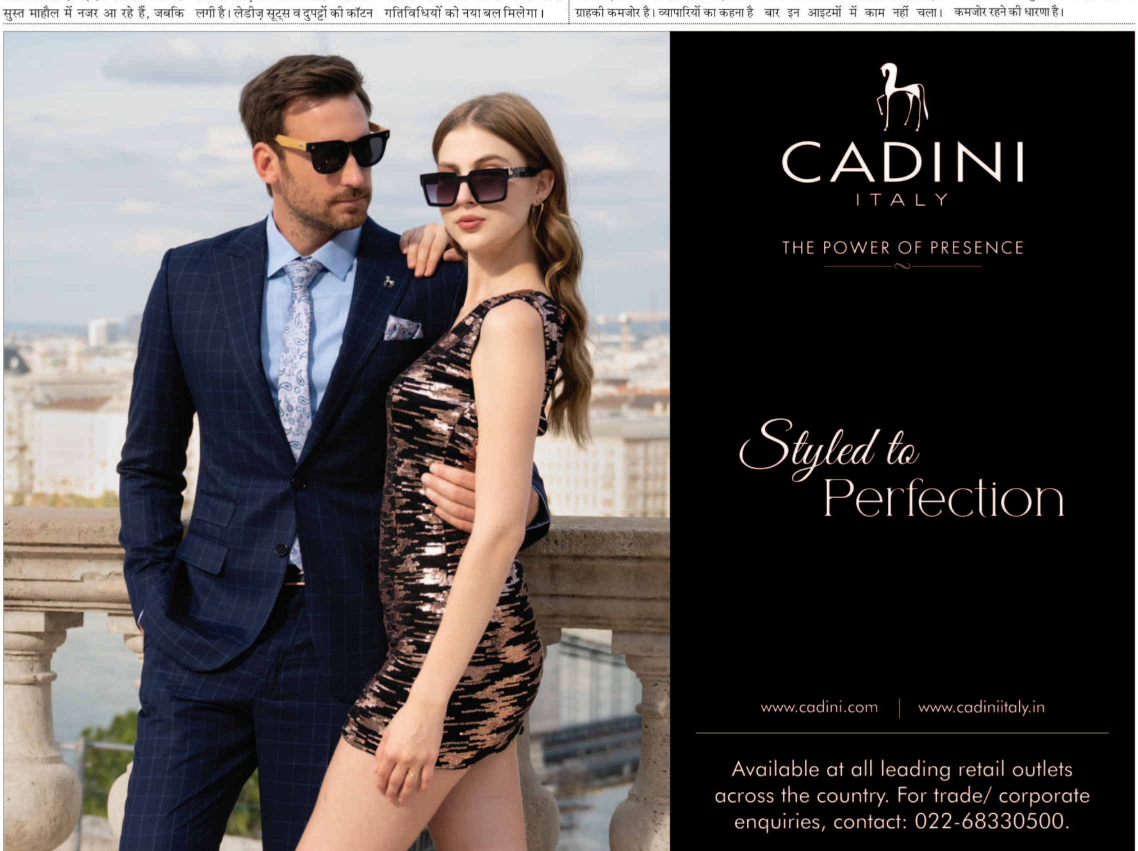

पारंपरिक विरासत और नवाचार का समन्वय 'एस. कुमार्स यूनिफॉर्म'

तीसरी पीढ़ी के नेतृत्व में S.Kumars® The Fabric of India Since 1948 की नई उड़ान'

मुम्बई/ भारतीय टेक्सटाइल उद्योग में 'एस. कुमार्स' एक ऐसा नाम है, जो विश्वसनीयता, गुणवत्ता और सेवा के आधार पर दशकों से अपनी अलग पहचान बनाये हुए है। यह ब्रांड न केवल देशभर के स्कूलों, संस्थानों, कॉर्पोरेट्स और सुरक्षाबलों के लिए यूनिफॉर्म फ़ैब्रिक की आपूर्ति करता है, बल्कि लगातार बदलते फैशन और टेक्नोलॉजी ट्रेंड्स को भी अपनाता चला आ रहा है। परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेतृत्व में 'एस. कुमार्स' अब आधुनिक रणनीतियों, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। इस विशेष इंटरव्यू में 'टेक्सटाइल मिरर' ने कंपनी की डायरेक्टर ध्वनि कौल से बातचीत की, जिन्होंने कंपनी की विकास यात्रा, चुनौतियों, तकनीकी अनुकूलन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर विचार साझा किए। आइए, इस इण्टरव्यू से जानते हैं कि कैसे 'एस.कुमार्स' न केवल एक पारंपरिक विरासत को निभा रहा है, बल्कि उसे नए युग के अनुरूप ढाल भी रहा है।

टेक्सटाइल मिरर-आपकी यूनिफॉर्म फ़ैब्रिक रेंज किन-किन इंडस्ट्रीज़ को सेवाएं देती है?

ध्वनि कौल- एक अग्रणी यूनिफॉर्म उत्पादन ब्रांड के रूप में, हमें गर्व है कि हमारी यूनिफॉर्म फैब्रिक रेंज विविध क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। इसमें स्कूल, डिफेंस, सरकारी विभाग, अस्पताल, कॉर्पोरेट्स, सुरक्षा एजेंसियां, निर्माण इकाइयाँ, होटल एवं सेवा क्षेत्र शामिल हैं। हम गुणवत्ता और सामर्थ्य के साथ इन उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराते हैं।

प्रश्न-गुणवत्ता और ड्यूरेबिलिटी को सुनिश्चित करने के लिए आप कौन से मानक अपनाते हैं?

उत्तर- हमारा प्राथमिक उद्देश्य सर्वोत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। इसके लिए हमारी कंपनी में एक सशक्त गुणवत्ता नियंत्रण और परीक्षण विभाग कार्यरत है, जो हर बैच को कठोर मानकों पर परखता है। ग्राहकों तक केवल वही उत्पाद पहुँचते हैं जो इन परीक्षणों में सफल होते हैं। हमारा मानना है कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

प्रश्न- क्या आप अपने यूनिफॉर्म फैब्रिक में सस्टेनेबल या इको-फ्रेंडली मटीरियल्स का प्रयोग करते हैं?

उत्तर- बिल्कुल! पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में है। हम कपास और पोलिएस्टर का मिश्रण करते हैं ताकि स्थायित्व के साथ-साथ आराम भी मिले। इसके अलावा, कपास-समृद्ध, लाइक्रा मिश्रित कपड़े, तथा पीवी बेस्ड प्रीमियम फिनिश फैब्रिक भी प्रदान करते हैं। हम एंटी-सॉइल, एंटी-बैक्टीरियल फिनिश पर भी काम कर रहे हैं। हमारी आरएण्डडी टीम लगातार स्थायी समाधानों पर शोध कर रही है।

प्रश्न- प्रतिस्पर्धा के बीच आप अपने उत्पादों को कैसे अलग और बेहतर बनाते हैं?

उत्तर- हमारी कंपनी की नींव दो सिद्धांतों पर रखी गई थी, उत्कृष्टता और सामर्थ्य। हमारा आदर्श वाक्य है, सर्वोत्तम गुणवत्ता, न्यूनतम मूल्य पर। इसी पर हम पिछले 75 वर्षों से कार्य कर रहे हैं। हमारे पास एक सुदृढ़ राष्ट्रीय डीलर नेटवर्क है, जो हमारे उत्पादों को ग्राहकों तक विश्वसनीयता के साथ पहुँचाता है।

प्रश्न- वैश्विक अस्थिरताओं का यूनिफॉर्म व्यवसाय पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर- जैसे जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, वैसे ही व्यापार भी इससे अछूता नहीं है। वैश्विक और स्थानीय असंतुलन ने अवश्य चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं, लेकिन हमारा विश्वास है कि हर चुनौती अवसर बन सकती है। हमने लचीलापन और अनुकूलन के साथ इन परिस्थितियों का सामना किया है।

प्रश्न- क्या आप कस्टमाइज़ेशन की सुविधा भी देते हैं?

उत्तर- हाँ, पूर्णतः। आज का युग व्यक्तित्व और विशिष्टता का है। हम अपने ग्राहकों की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार डिज़ाइन, पैटर्न और फैब्रिक कस्टमाइज़ करते हैं। चाहे ऑर्डर बड़ा हो या छोटा, हमारा उद्देश्य ग्राहकों की हर आवश्यकता को पूरी संवेदनशीलता और गुणवत्ता के साथ पूरा करना है।

प्रश्न- भविष्य के लिए आपके यूनिफॉर्म डिवीजन की क्या योजनाएं हैं?

उत्तर- हम टेक्नोलॉजी को अपने हर पहलू में एकीकृत करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हमारी योजना है कि हम एक एंड-टू-एंड डीलर ऐप, एआई-आधारित प्रोडक्शन सोल्यूशन, और एक कस्टमाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर आगे बढ़ें। हमारा लक्ष्य 'एस.कुमार्स' को वैश्विक ब्राण्ड के रूप में स्थापित करना है।

हम नई टेक्नोलॉजी और बदलती ज़रूरतों के अनुसार अपने उत्पादों को लगातार अपडेट कर रहे हैं। हमारी टीम नई फैब्रिक फिनिश और स्मार्ट मटीरियल्स पर कार्य कर रही है, ताकि हम आने वाले समय की मांगों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकें।

प्रश्न- पिछले कुछ वर्षों में किन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आपने उन्हें कैसे प्रबंधित किया?

उत्तर- 2020 में आई महामारी एक बड़ी चुनौती थी, जिसने सप्लाई चेन और डिमांड दोनों को प्रभावित किया। उसके बाद वैश्विक अशांति और बाजार की अनिश्चितताएं भी बनी रहीं। परंतु हमने इन कठिनाइयों को रणनीतिक योजना, टीमवर्क और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण से अवसरों में बदला।

प्रश्न- क्या आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म या टेक्नोलॉजी को यूनिफॉर्म सप्लाई चेन में शामिल किया है?

उत्तर- हाँ, हमने अपने बैकएंड सिस्टम को पूरी तरह से डिजिटलाइज कर दिया है। हमारे आईटी डिपार्टमेंट ने ईआरपी सिस्टम और डेटा इंटीग्रेशन में विशेष कार्य किया है, जिससे मैन्युअल एंट्री लगभग खत्म हो गई है। हमारा उद्देश्य टेक-संचालित ट्रांसपेरेंसी और एफिशिएंसी बनाए रखना है।

प्रश्न- पिछले एक दशक में यूनिफॉर्म सेक्टर में क्या बड़े बदलाव देखने को मिले?

उत्तर- दो बड़े ट्रेंड्स देखने को मिले हैं। पहला, रीसायकल यार्न के बढ़ते उपयोग और दूसरा, ग्राहकों द्वारा सीधे निर्माताओं से खरीद की प्रवृत्ति। ये दोनों परिवर्तन उद्योग को अधिक पारदर्शी और टिकाऊ दिशा में ले जा रहे हैं।

प्रश्न- रेडीमेड यूनिफॉर्म गारमेंट का बढ़ता चलन क्या फैब्रिक व्यवसाय को प्रभावित कर रहा है?

उत्तर- बिल्कुल, रेडीमेड यूनिफॉर्म अब एक प्रमुख प्रवृत्ति बन रही है। ग्राहक अब तत्काल वितरण और सुविधा को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसलिए 'एस.कुमार्स' के फैब्रिक्स को भी कटिंग करके रेडीमेड यूनिफॉर्म के लिए प्रोसेस किया जा रहा है, और यह ट्रेंड भविष्य में और अधिक बढ़ेगा।

प्रश्न- अपने व्यक्तिगत सफर के बारे में बताएं, आपने इस व्यवसाय से कैसे जुड़ाव महसूस किया?

उत्तर- यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैंने 2018 में अपने दादाजी श्री शंभूकुमारजी कासलीवाल के सान्निध्य में 'एस.कुमार्स' की शुरुआत की। मैं वैसे तो एक शिक्षिका थी, परंतु आप कह सकते है कि टेक्सटाइल मेरे खून में था। मेरे सफर की शुरुआत इंस्टीट्यूशनल सेल्स से हुई।

वर्षों के अनुभव के बाद मेरी बहन विधि कासलीवाल और मुझे इस व्यवसाय की बागडोर सौंपी गई। यह केवल एक व्यवसाय नहीं, हमारी पारिवारिक विरासत है और हम दोनों बहनें इसे और ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं।

21TH GARMENT FAIR-2025

28-29-30 JULY | TIMING : 10:00 AM TO 7:00 PM

Biswa Bangla Exhibition Centre

Canal Bank Rd, Newtown, Kolkata-700156

Explore More than 5000+ Brands Across 25 Cities

REGISTER NOW : 72900 97195

Join India's Biggest B2B Garments Platform

6,000+ CUSTOMER | 5,000+ SUPPLIERS | 15,000+ BRANDS | 15 BRANCHES

SARAOGI SUPER SALES PVT. LTD.

SSS है जहाँ, Transparency है वहाँ...

70 & 72, Mahila Colony, Gandhi Nagar, East Delhi - 110031 7290097992 info@sssplte.com WWW.SSSPLTD.COM SSSPLTD

One Stop Solution From Yarn to Apparel
MST GROUP
M.S.TRADERS
TRUST MEETS PERFORMANCE
Textile Consultant & Service Providers

इंदौर में टेक्सटाइल क्षेत्र में बड़े निवेश से रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

इंदौर/कमल बांझल

मध्य प्रदेश के औद्योगिक केंद्र इंदौर में टेक्सटाइल क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलने जा रही है। दो प्रमुख टेक्सटाइल कंपनियों अरविन्द लिमिटेड एवं नॉइज जीन्स लि. ने शहर के बुढ़ी बरलाई औद्योगिक क्षेत्र में कुल 25 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की है। इस निवेश का कुल मूल्य 584 करोड़ रुपये बताया गया है, जो आने वाले वर्षों में 12,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

इस परियोजना के तहत ।अरविन्द लिमिटेड द्वारा 60 लाख परिधानों का वार्षिक उत्पादन किया जाएगा, जबकि नॉइज जीन्स लि. के संयंत्र में 9 आधुनिक उत्पादन लाइनें स्थापित की जाएंगी। दोनों कंपनियों की यह पहल न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार देगी, बल्कि इंदौर को टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में और मजबूत बनाएगी।

राज्य औद्योगिक विकास निगम के अधिकारियों ने बताया कि ये निवेश मेक इन इंडिया और वोकल फोर लोकल जैसे अभियानों को भी गति देंगे। कंपनियों को ज़मीन आवंटन की प्रक्रिया में सरकार ने त्वरित सहायता उपलब्ध कराई है और बुनियादी ढांचे के विकास पर भी तेज़ी से कार्य शुरू हो चुका है। नॉइज जीन्स लि. के प्रवक्ता ने कहा कि हम भारत में डेनिम मैन्युफैक्चरिंग का एक नया स्टैंडर्ड स्थापित करना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य टेक्नोलॉजी के साथ स्किल्ड लेबर को जोड़कर वैश्विक गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करना है।

अरविन्द लिमिटेड के निदेशक ने अपने वक्तव्य में कहा कि इंदौर का भौगोलिक स्थान, कुशल श्रमिकों की उपलब्धता और राज्य सरकार की उद्योग समर्थक नीति ने हमें यहां निवेश करने को प्रेरित किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश न केवल इंदौर बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा और टेक्सटाइल सप्लाई चेन में नई संभावनाओं को खोलेगा।

तमिलनाडु में पारंपरिक पावरलूम इकाइयों के आधुनिकीकरण की ओर बड़ा कदम

ध्वनि प्रदूषण और उत्पादन दक्षता को लेकर सरकार और उद्योग जगत का संयुक्त प्रयास

तमिलनाडु सरकार और टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े प्रमुख संगठनों ने मिलकर राज्य की पारंपरिक पावरलूम इकाइयों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक अहम पहल शुरू की है। यह कदम तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें बताया गया कि पारंपरिक शटल लूम्स अनुमेय ध्वनि स्तरों से कहीं अधिक शोर उत्पन्न कर रहे हैं, जिससे स्थानीय श्रमिकों और समुदायों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

प्रमुख विंदु- *- टीएनपीसीबी की जांच में पाया गया कि अधिकांश पारंपरिक लूम इकाइयों से उत्पन्न शोर का स्तर 85 डेसिबल से अधिक था, जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।*

- आधुनिकीकरण के लिए शटल-लेस रैपियर लूम्स को अपनाने की सिफारिश की गई है, जो न केवल कम शोर उत्पन्न करते हैं बल्कि उत्पादन क्षमता भी बढ़ाते हैं।

- इकाइयों को ध्वनि रोधी के उपाय अपनाने और मशीनरी के नवीनीकरण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है।

- तमिलनाडु हैंडलूम और टेक्सटाइल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हम इस परिवर्तन को केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य और भविष्य की टिकाऊ टेक्सटाइल उत्पादन प्रणाली की दिशा में एक निर्णायक कदम मानते हैं।''

चुनौतियाँ भी हैं सामने-

-प्रत्येक मशीन की अनुमानित लागत 4 लाख से 7 लाख रुपये के बीच है, जिससे छोटे उद्यमियों के लिए निवेश करना कठिन हो सकता है।

-प्रशिक्षित तकनीशियनों की कमी और नियमित रख-रखाव की आवश्यकताओं को भी गंभीरता से संबोधित किया जाना आवश्यक है।

आगामी योजना-

राज्य सरकार ने संकेत दिए हैं कि वे एमएसएमई इकाइयों को सब्सिडी और ब्याज मुक्त ऋण जैसी योजनाओं के ज़रिये इस बदलाव में मदद करेंगे। इसके अतिरिक्त, टेक्सटाइल इंडस्ट्री एसोसिएशनों के साथ मिलकर एक 'टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन कलस्टर प्रोग्राम' की भी योजना बनाई जा रही है।

यह पहल न केवल तमिलनाडु को भारत के अग्रणी टेक्सटाइल राज्यों में और मजबूती देगी, बल्कि इसे एक 'ग्रीन और सस्टेनेबल टेक्सटाइल मॉडल' के रूप में भी स्थापित करेगी।

Simone Federico & Figli began its journey in 1876 from the picturesque town of Biella, nestled in the heart of Italy.
NOW IN INDIA AVAILABLE IN A STORE NEAR YOU
SIMONE FEDERICO & FIGLI
5th Floor, Gopal Bhawan, 199 Princess Street, Mumbai - 400 002 (MH) India; Tel.: +91 22 6633 6571 - 75
Customer Care: +91 22 6633 6576 | info@simonefederico.com | www.simonefederico.com
OUR ASSOCIATES:
FABCOTT INDIA CLOTHING LLP, DELHI: DELHI / PUNJAB / HARYANA / UTTAR PRADESH 9999831777 | PADMAVATI FABRICS, KOLKATTA: WEST BENGAL / BIHAR 09831025671 | MANISH TRADING CO., AHMEDABAD: GUJARAT / MADHYA PRADESH 9429004140 | R.P. ENTERPRISES, MUMBAI: MAHARASHTRA 9819081444 | VINAYAKA TRADING CO., JAIPUR: RAJASTHAN 9602340000 | SHA HIRACHAND JAWANMAL & CO., BANGALORE: KARNATAKA 9886290009 | SHIVAM FABRICS PVT. LTD., HYDERABAD: TELANGANA / ANDHRA PRADESH 9885444440 | COTTON HOUSE, CHENNAI: TAMILNADU 9884247460 | HEMA INC, BANGALORE: KERALA 9448575111

SANMATI
SUITINGS & SHIRTINGS
Complete Range of Fancy Suitings & Versatile Uniform Fabrics and Exclusive
COMBO PACKING
SANMATI SUITINGS PVT. LTD. SYNTEX PVT. LTD.
109-110, Charbhuja Tower, Old R.T.O. Road, Gandhi Nagar, Bhilwara - 311001, Mob.: 9413357788
Ph.: 01482-247310, 247810 - Email: sanmatisuiting@gmail.com, sanmatisyntex@gmail.com

Specialist in All Type of Uniform Checks
bajaj Sulz
Uniform & Garment Fabrics
SHREE BAJAJ SUITINGS (P.) LTD.
38, Ground Floor, Om Textile Tower, Pur Road, Bhilwara, Ph.: 247816
E-189-A, 3rd Phase, RIICO Ind. Area, Bhilwara, Ph.: 260890, 7737089890, Mobile: 98290 45208 98290 72064, 98290 72074. E-mail: shreebajaj@gmail.com, Website: www.shreebajaj.com

The art of living...
Asbeelon
Since - 1988
Mare Silouania Collection
Join us for our
Annual Sales Conference
16th August-2025
Dharmshala (HP.)
S.B. Silk Mills Pvt. Ltd.
Mumbai Off.:- 95/A, Old Hanuman Lane, R. No.-38, 3rd Floor, Dhanji Mulji Ka Dala, Mumbai Ph.-022-66349285
Factory:- Plot No. 32-33, Ind. Area No.-3, Bhilwara, Ph.-260257, E-Mail:asbeelon@rediffmail.com

बारिश पश्चात मांग के संकेत

यार्न की शॉर्टेज से उत्पादन बाधित

भीलवाड़ा/मिरर ब्यूरो

देश के प्रमुख सूती वस्त्र बाजारों में गिने जाने वाले भीलवाड़ा टेक्सटाइल उद्योग में इन दिनों बाजार के भीतर मांग के सकारात्मक संकेत दिखने लगे हैं, लेकिन उत्पादन पर कई मोर्चों पर चुनौतियां भी बनी हुई हैं। डाइड यार्न और ग्रे यार्न की शॉर्टेज के चलते उत्पादन की रफ्तार प्रभावित हो रही है, जिससे वीविंग यूनिट्स को प्लानिंग करने में कठिनाई आ रही है। इसके अलावा लेबर की कमी ने भी फैब्रिक उत्पादन को सीमित कर दिया है, विशेषकर छोटे और मध्यम दर्जे की इकाइयों में इसका असर अधिक देखा जा रहा है।

मार्केट सूत्रों के अनुसार, एयरजेट लूमों पर जहां फिलहाल पर्याप्त जॉब मौजूद हैं, वहीं सुल्जर लूमों पर जॉब का अभाव है, जिससे कुछ इकाइयों को मशीनें बंद रखने की नौबत आ गई है। हाल ही में ईरान-इज़राइल के बीच चले युद्ध जैसे हालातों ने भी मार्केट पर असर डाला है, जिससे कई बायर्स ने अपने प्रोग्राम होल्ड करवा दिए हैं।

इस बीच मानसून की सक्रियता के चलते प्रोडक्शन और मार्केट प्लानिंग का दौर चल रहा है। बारिश के मौसम में टेक्सटाइल प्रोसेस हाउसों से निकलने वाले दूषित जल की निकासी भी पर्यावरणीय चिंता का विषय बन सकती है। स्थानीय प्रशासन एवं पर्यावरण विभाग को इस दिशा में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है ताकि प्रदूषण नियंत्रित रखा जा सके।

हालांकि, उद्योग से जुड़े लोगों में आने वाले महीनों को लेकर आशा की लहर बनी हुई है। ईद का त्यौहार इस बार जल्दी है, जिससे भीलवाड़ा के रेडीमेड वस्त्रों की मांग में तेजी देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही अगस्त से त्योहारी सीजन और नवंबर के बाद वैवाहिक सीजन की शुरुआत से कपड़ा व्यापार में उल्लेखनीय उछाल की संभावना जताई जा रही है।

इस समय यूनिफॉर्म फैब्रिक की भी जोरदार ग्राहकी देखी जा रही है क्योंकि स्कूलें खुलने वाली हैं और इसके ऑर्डर्स अंतिम दौर में है। वहीं, रेडीमेड गारमेंट निर्माण का दायरा भी भीलवाड़ा में बढ़ता जा रहा है, जिससे शहर के उद्योग में विविधता आ रही है। जानकारों का मानना है कि इस क्षेत्र को और प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार द्वारा 'गारमेंट क्लस्टर' की स्थापना की आवश्यकता है, जिससे रोजगार सृजन और निर्यात में बढ़ोतरी संभव हो सके।

कुल मिलाकर, भीलवाड़ा टेक्सटाइल मार्केट फिलहाल उतार-चढ़ाव के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है और आने वाले महीनों में मांग और उत्पादन दोनों में स्थिरता की संभावना जताई जा रही है।

SHARDA Fab
Manufacturer of Suiting Fabric
PEEJU'S
Contact us:
Email: rankafashion@gmail.com
Visit us at:
Web.: www.rankafashion.com

21st Century TOPMAN
TOPMAN FASHION PVT.LTD.
Off.: 63-Murli Textile Tower, Pur Road, Bhilwara, Mob.: 94141 13190
Ph.: 01482-260232, 260233, E-mail: topmansuiting@yahoo.com
Mills: G-214-215, RIICO 4th Phase, Bhilwara (Raj.)

SUNMOON
FEEL THE Inspiration
SUNMOON EXCLUSIVE SUITINGS
SUNMOON SYNTHETICS PVT. LTD.
G-42,43 RIICO IND. AREA EXT., 4th PHASE, BHILWARA-311001
Mob.: 94141-22277, E-mail : sunmoonsuiting@gmail.com

क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर के प्रभाव पर केंद्रित राष्ट्रीय कार्यशाला में उठी मांग

कपड़ा उद्योग को बचाने के लिए तैयार वस्त्रों पर भी लागू हो क्यूसीओ

भीलवाड़ा/मिरर संवाददाता

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के तत्वाधान में आज राजधानी दिल्ली में 'क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ)' के प्रभाव पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य यह जानना था कि क्यूसीओ के लागू होने के बाद एमएसएमई क्षेत्र, विशेष रूप से टेक्सटाइल उद्योग पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है।

इस कार्यशाला की अध्यक्षता डा. रजनीश (अतिरिक्त सचिव एवं विकास आयुक्त, एमएसएमई मंत्रालय) और श्री आर. के. राय (एडिशनल डेवलपमेंट कमिश्नर) ने की। देश भर से सैकड़ों उद्योग प्रतिनिधियों ने इस संवाद में भाग लिया, जिनमें से 100 से अधिक प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

चित्तौड़ प्रांत से लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री महेश हुरकट और सीए शिवप्रकाश झंवर ने भी भाग लिया और भीलवाड़ा सहित देश के विभिन्न टेक्सटाइल क्लस्टर्स के अनुभव साझा किए। उन्होंने मांग की कि पीटीए, पीओवाई और एफडीवाई जैसे एमएमएफ यार्न पर क्यूसीओ की पुनर्समीक्षा की जाए, क्योंकि इससे यार्न का आयात तो घटा है लेकिन तैयार कपड़ों का आयात खतरनाक रूप से बढ़ गया है।

श्री हुरकट ने बताया कि 2020-21 में भारत में कपड़े का आयात मात्र 5.77 लाख वर्ग मीटर था, जो अब 63 लाख वर्ग मीटर को पार कर गया है। उन्होंने चेताया कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रही तो भारत का डाउनस्ट्रीम एमएमएफ वस्त्र उद्योग समाप्त होने की कगार पर पहुंच सकता है, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे राष्ट्रीय अभियानों को गहरी चोट पहुंचेगी।

प्रमुख मांगों में निम्न बिंदु शामिल रहे-

- तैयार वस्त्रों एवं परिधानों पर भी क्यूसीओ लागू किया जाए

- देश में न बनने वाले यार्न (जैसे मैकेनिकल स्ट्रेच, मदर यार्न, मोनो फिलामेंट आदि) पर क्यूसीओ हटाया जाए

- घरेलू बाजार हेतु गैर-बीआईएस पीओवाई/एफडीवाई पर कुछ मात्रा में आयात की छूट दी जाए

- एमएमएफ यार्न पर क्यूसीओ की समीक्षा करते हुए डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्री पर उसके प्रभावों का विश्लेषण किया जाए

उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सभी आंकड़ों और सुझावों को एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि वे इस विषय को नीतिगत स्तर पर सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

लघु उद्योग भारती ने इस कार्यशाला के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि देश के कपड़ा उद्योग की सुरक्षा के लिए नीतिगत लचीलापन और वस्तुनिष्ठ पुनर्विचार अत्यंत आवश्यक है।

1,51,000 का ईनाम जीतने का सुनहरा मौका
वैधानिक चेतावनी
SUDHIR SUITINGS & SHIRTINGS
We make something better
A Product of SUDHIR SYNTHETICS PVT. LTD.
SILVER DUST
SUDHIR
कोई भी व्यक्ति हमारे ब्राण्ड्स की नकली सेल्वेज एवं कॉपी करने की सूचना देगा उसको
नकद 1,51,000 रुपये का ईनाम दिया जायेगा
एवं उसका नाम पूरी तरह से गुप्त रखा जायेगा।
सम्पर्क करें- 94141 15394
अधिवक्ता- G.D. BANSAL & ASSOCIATES (RAJASTHAN HIGH COURT, JAIPUR RAJASTHAN)
M-118, MAHESH COLONY, NEAR JP UNDERPASS, JAIPUR-302015
Email: advocategdbansal@gmail.com, Mob.: +91-90012-95042

Available
टेक्सटाइल मिरर
BHILWARA TEXTILE DIRECTORY
Previous Price Rs. 380
Hard Copy Rs. 280
Including Courier Charge
Limited STOCK
For Enquiry
9602430777, 8619397577

A COMPLETE HOUSE OF PREMIUM DESIGNER UNIFORM FABRICS
Renlon Uniforms & Suitings
spunshades by Birla Cellulose
FADE-RESISTANT UNIFORM FABRICS
Renlon Uniforms crafted with Spunshades introduces fade-resistant uniform fabrics.
A Brand Owned By
VIKAS SYNTEX PRIVATE LIMITED
(An ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
EMAIL : vikas_syntex@yahoo.co.in, WEBSITE : www.vikassyntex.com

'दिग्जाम' ने गोवा में लॉन्च किया ऑटम विण्टर कलेक्शन-2025

नये कलेक्शन को सराहते हुए रिटेलर्स से मिला शानदार रिस्पॉस

FINE SUITINGS FROM
DIGJAM
it's who you are

मुंबई/ भारत के प्रतिष्ठित सूटिंग ब्राण्ड **'दिग्जाम'** ने अपनी आगामी ऑटम विण्टर-2025 सीज़न की फैब्रिक श्रृंखला का भव्य अनावरण गोवा के लक्ज़री होटल ताज विवांता में आयोजित एक विशेष कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया। यह तीन दिवसीय कॉन्फ्रेन्स 23 से 25 जून 2025 तक चली, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में अग्रणी रिटेलर्स और व्यापार साझेदारों ने भाग लिया।

इस आयोजन में **'दिग्जाम'** की ओर से ग्रुप **सीईओ (टेक्सटाइल) श्री अजय अग्रवाल** और **मार्केटिंग वाईस प्रेसीडेण्ट श्री मुकुल अवस्थी** ने मेहमानों का स्वागत किया और ब्राण्ड की रणनीति, इनोवेशन और नई फैब्रिक श्रृंखला की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कंपनी ने इस कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से आगामी सीज़न की बुकिंग शुरू की, जिसे रिटेलर्स से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

प्रस्तुत की गई प्रमुख फैब्रिक श्रृंखलाएं-

सेलेस्टियल कलेक्शन-'दिग्जाम' का यह प्रीमियम पॉलीवूल कलेक्शन सुपर फाइन वूल रिच क्वालिटी में उपलब्ध है, जिसे खासतौर पर उच्च वर्ग के कस्टमर को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है।

एशले ट्वीड-अत्यंत सुंदर और आयातित ट्वीड फैब्रिक, जो विशेष रूप से जैकेटिंग उपयोग के लिए तैयार किया गया है। इस संग्रह में इतालवी डिज़ाइन की सुंदरता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

सुपर फाइन 100 वूल फ्लैनेल- जैकेटिंग के लिए उपयुक्त, यह कलेक्शन बेहद मुलायम, गर्म और शानदार गुणवत्ता का प्रतीक है।

सुपर फाइन टीआर कलेक्शन- आकर्षक और ट्रेंडी रंगों की विस्तृत रेंज में उपलब्ध यह श्रृंखला आधुनिक फैशन की आवश्यकताओं को पूरी तरह पूरा करती है।

खाकी फैब्रिक की विस्तृत रेंज- टीआर, पीवी और पीडब्ल्यू बेस पर निर्मित खाकी कपड़ों की रेंज, जो डेली वियर और ऑफिस वियर दोनों के लिए उपयुक्त है।

हाई क्वालिटी स्ट्रेच फैब्रिक- **'दिग्जाम'** की 2-वे और 4-वे लाइक्रा फैब्रिक्स की श्रृंखला ग्राहकों को उत्कृष्ट फिट और लचीलापन प्रदान करती है।

कॉन्फ्रेन्स की प्रमुख उपलब्धियां-

देशभर से आए रिटेलर्स ने **'दिग्जाम'** के ऑटम विण्टर-2025 कलेक्शन को बेहद सराहा और जोरदार बुकिंग के साथ समर्थन दिया। इस आयोजन ने रिटेलर्स और ब्रांड के बीच विश्वास और सहभागिता को और सशक्त किया। ताज विवांता जैसे भव्य स्थल पर आयोजित यह कार्यक्रम व्यापार, नेटवर्किंग और नवाचार का आदर्श संगम रहा। **'दिग्जाम'** का यह सफल आयोजन न केवल इसकी मार्केट लीडरशिप को दर्शाता है, बल्कि इसके नवाचार, गुणवत्ता और फैशन-फोरवर्ड दृष्टिकोण को भी स्थापित करता है। आगामी सर्दियों के मौसम में **'दिग्जाम'** की यह नई श्रृंखला निश्चित ही भारतीय फैब्रिक बाजार में एक नया मानक स्थापित करेगी।

FINE SUITINGS FROM
DIGJAM
it's who you are

DIGJAM...
THE DIFFERENCE
BETWEEN
DRESSED AND DEFINED.

WWW.DIGJAM.CO.IN

FOR BUSINESS QUERIES,
CONTACT- +91 99206 39922

भरोसे की परम्परा SGS Yatra 2025

की वार्षिक मेगा कॉन्फ्रेंस 8 जुलाई से 7 अगस्त तक

भव्य फैब्रिक डिस्प्ले और नई ऊंचाइयों की तैयारी

मुम्बई/ देश के वस्त्र उद्योग में विश्वास, गुणवत्ता और नवाचार का पर्याय बन चुकी **'एसजीएस सिल्क मिल्स'** अपनी वार्षिक मेगा कॉन्फ्रेंस का आयोजन इस वर्ष 8 जुलाई 2025 से 7 अगस्त 2025 तक मनाली में कर रही है। वस्त्र व्यापार की दुनिया में यह सम्मेलन न केवल व्यापारिक नवाचार का मंच होता है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक, प्रेरणात्मक और सौहार्दपूर्ण आयोजन भी बन गया है, जिसका हर वर्ष देशभर के व्यापारी बेसब्री से इंतजार करते हैं।

भव्य फैब्रिक डिस्प्ले- व्यापारियों के लिए विशेष आकर्षण- कंपनी के एमडी श्री जी.डी राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष की कॉन्फ्रेंस में कंपनी द्वारा एक विशाल और भव्य फैब्रिक डिस्प्ले प्रस्तुत किया जाएगा। यह डिस्प्ले आगामी सीजन की जरूरतों और फैशन ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी द्वारा तैयार किए गए नवीनतम फैब्रिक डवलपमेंट्स, रंग संयोजन, डिज़ाइन वैरायटी और टेक्सचर इनोवेशन को व्यापारियों के अवलोकन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा।

यह डिस्प्ले न केवल व्यापारियों को आगामी बाजार की दिशा दिखाएगा, बल्कि उन्हें उत्पाद चयन और ग्राहक रुचियों के अनुसार स्टॉक प्लानिंग में भी मदद करेगा। यह 'एसजीएस' की प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि वह अपने सहयोगी व्यापारियों को हर बार कुछ नया, कुछ बेहतर देने का प्रयास करती है।

हमेशा नया करने की परंपरा- 'एसजीएस' केवल उत्पाद नवाचार में ही अग्रणी नहीं है, बल्कि कंपनी की कॉन्फ्रेंस संस्कृति भी समूचे वस्त्र उद्योग में एक उदाहरण बन चुकी है। श्री राठी ने बताया कि एसजीएस देश की सबसे लंबी और सुनियोजित कॉन्फ्रेंस आयोजित करने वाली कंपनी है, जो हर बार नए डेस्टिनेशन पर सम्मेलन आयोजित करती है। यही कारण है कि देशभर के कपड़ा व्यापारियों में 'एसजीएस' की कॉन्फ्रेंस को लेकर उत्साह रहता है।

इस वर्ष का गंतव्य भी विशेष रूप से चुना गया है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, मौसम और आरामदायक वातावरण के लिहाज़ से सभी के लिए आदर्श होगा। एसजीएस का उद्देश्य केवल व्यापारिक चर्चा ही नहीं, बल्कि अपने व्यापारिक परिवार को साथ लाकर एक समृद्ध अनुभव देना है।

रहने, खाने और मनोरंजन की विशेष व्यवस्था- 'एसजीएस' अपनी कॉन्फ्रेंस को केवल एक व्यापारिक कार्यक्रम नहीं मानता, बल्कि इसे एक उत्सव की तरह मनाने में विश्वास रखता है। इसी सोच के तहत, आयोजन स्थल पर स्वयं की अनुभवी किचन टीम द्वारा तैयार किया गया भोजन परोसा जाएगा, जो स्वाद, स्वच्छता और अपनत्व तीनों का अद्भुत मेल होगा।

हर दिन की शाम को सांस्कृतिक संध्या और मनोरंजन कार्यक्रमों से सजाया गया है, जिससे सभी अतिथियों को संपूर्ण मानसिक ताजगी मिले। पारिवारिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए संगीत, डांस, और हास्य से भरपूर आयोजन होंगे।

टॉप-10 ग्रुप अवॉर्ड- व्यापार में उत्कृष्टता का सम्मान कॉन्फ्रेंस का एक प्रमुख आकर्षण रहेगा 'ग्रुप वाइज टॉप टेन अवॉर्ड सेरेमनी', जिसमें सर्वाधिक व्यापार करने वाले व्यापारियों और समूहों को सम्मानित किया जाएगा। यह न केवल प्रतियोगिता की भावना को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि सभी को अपनी मेहनत और समर्पण पर गर्व करने का अवसर भी देगा।

'एसजीएस' व्यापार से बढ़कर परिवार- 'एसजीएस' अपने व्यापारिक साथियों को केवल ग्राहक नहीं मानता, बल्कि एक विस्तारित परिवार के रूप में देखता है। इस वार्षिक सम्मेलन के माध्यम से 'एसजीएस' फिर से यह संदेश देगा कि भरोसा, समर्पण और आपसी सम्मान ही किसी भी संगठन की असली पूंजी हैं।

8 जुलाई 2025 से शुरू होने जा रही 'एसजीएस' वार्षिक मेगा कॉन्फ्रेंस केवल एक व्यापारिक इवेंट नहीं, बल्कि यह सम्मेलन व्यापार, बंधुत्व, नवाचार और मनोरंजन चारों स्तंभों पर टिका एक ऐसा आयोजन है, जिसकी गूंज वर्ष भर रहती है।

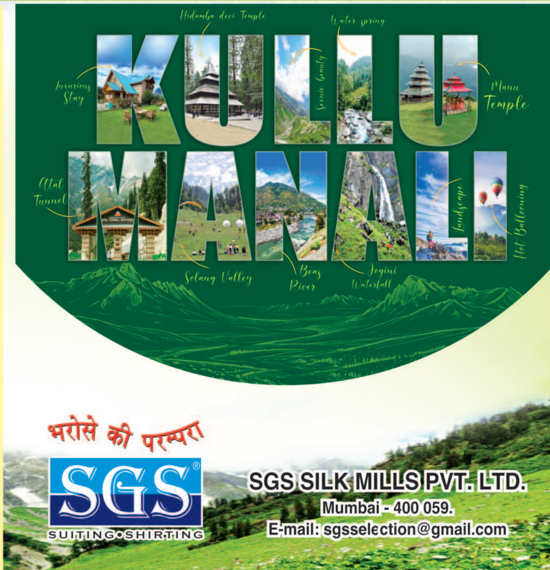

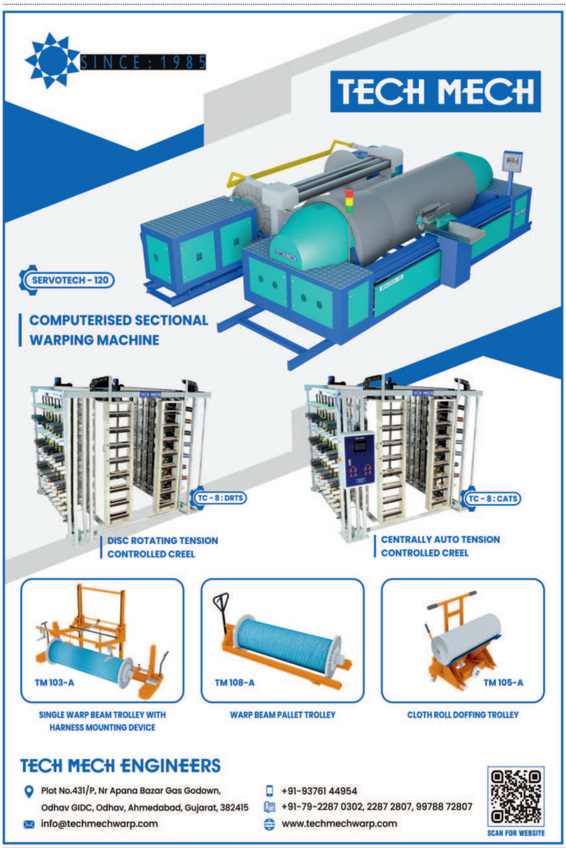

वैश्विक परिधान व्यापार में दिखी मजबूती भारत के निर्यात में 7 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली/ वैश्विक परिधान उद्योग में सुधार की स्पष्ट तस्वीर सामने आ रही है। वजीर एडवाइजर द्वारा जारी ग्लोबल अपेरल ट्रेड एण्ड रिटेल अपडेट जून-2025 के अनुसार, अप्रैल और मई माह के दौरान प्रमुख खरीदार और आपूर्तिकर्ता देशों में व्यापारिक गतिविधियों में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और यूके जैसे बाजारों में परिधान आयात में तेजी आई है, जबकि भारत समेत प्रमुख एशियाई निर्यातक देशों ने भी उत्साहजनक प्रदर्शन किया है।

अप्रैल 2025 में परिधान आयात- रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने अप्रैल में 6.2 बिलियन डॉलर का आयात किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। यूरोपीय संघ ने 7.8 बिलियन डॉलर का आयात करते हुए 26 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। जापान और यूके ने क्रमश:17 प्रतिशत और 13 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दिखाई।

मई 2025 में परिधान निर्यात- निर्यातकों में चीन ने 13.1 बिलियन डॉलर (5 प्रतिशत), बांग्लादेश ने 3.9 बिलियन डॉलर (11 प्रतिशत), वियतनाम ने 3.1 बिलियन डॉलर (19 प्रतिशत), भारत ने 1.5 बिलियन डॉलर (7 प्रतिशत) का निर्यात दर्ज किया। वजीर एडवाइजर का कहना है कि ''इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि वैश्विक मांग में स्थिर रिकवरी आ रही है और भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं।''

रिटेल परिदृश्य- मई 2025 में अमेरिका में परिधान स्टोर बिक्री में 1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, लेकिन ऑनलाइन बिक्री में प्रथम तिमाही 2025 के दौरान 6 प्रतिशत की गिरावट हुई।

यूके में स्टोर बिक्री 3.6 बिलियन यूरो रही, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत कम रही। भारत ने अप्रैल 2025 में 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ खुदरा बिक्री में स्थिरता दिखाई।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संकेतक- महंगाई दर बढ़कर 2.4 प्रतिशत हो गई है, जबकि उपभोक्ता विश्वास सूचकांक 86.0 से बढ़कर 98.0 हो गया, यह उपभोक्ता विश्वास की वापसी को दर्शाता है।

वजीर एडवाइजर की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक परिधान उद्योग में अब स्थिर और सकारात्मक ट्रेंड देखने को मिल रहे हैं। भारत समेत कई एशियाई देश उत्पादन व निर्यात दोनों क्षेत्रों में पुन: सक्रिय हो गए हैं। वहीं, विकसित देशों में उपभोक्ता व्यवहार में परिवर्तन और डिजिटल बिक्री में कमी जैसे कारकों पर निगाह रखने की आवश्यकता है।

मिरर पाठक परिचय

मैसर्स 'जय दुर्गा सिंथेटिक्स'

भीलवाड़ा/ स्थापित वर्ष 1991 में, जय दुर्गा सिंथेटिक्स भीलवाड़ा की कपड़ा उद्योग में एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय नाम है। श्री विकास तोषनीवाल एवं श्री विशाल तोषनीवाल के नेतृत्व में यह कंपनी प्रमुख रूप से फैंसी सूटिंग फैब्रिक के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

कंपनी का प्रमुख ब्राण्ड "V- Hemisphere" मार्केट में बेहतरीन गुणवत्ता, स्टाइल और विश्वसनीयता का प्रतीक बन चुका है। उत्पादों की श्रेणी में टी.आर. रेंज, प्लेन चेक्स, लाइक्रा, स्ट्राइप्स तथा फैंसी सूटिंग का विस्तृत और आधुनिक संग्रह शामिल है, जो विविध उपभोक्ता वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

जय दुर्गा सिंथेटिक्स का उद्देश्य है ग्राहकों को ब्राण्डेड क्वालिटी के कपड़े उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना। कंपनी का मजबूत मार्केटिंग नेटवर्क श्री तोषनीवाल बंधुओं की रणनीतिक सोच और दूर ष्टि का परिणाम है, जिसके चलते दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद और नेपाल जैसी प्रमुख कपड़ा मंडियों में कंपनी की उपस्थिति लगातार सशक्त हो रही है।

भरोसे, गुणवत्ता और नवाचार के मूलमंत्र के साथ, जय दुर्गा सिंथेटिक्स भारतीय टेक्सटाइल बाजार में निरंतर विकासशील एवं ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है।

श्री तोषनीवाल बन्धुओं ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग का ट्रेण्ड भी बढ़ता जा रहा है जिसके चलते कंपनी डिजिटल तरीके से ब्राण्ड प्रमोशन पर ध्यान दे रही है एवं अपने ग्राहकों से डिजिटली जुड़े रहने हेतु प्रयासरत है।

Jai Durga Synthetics
WhatsApp group

कंपनी से जुड़ने एवं अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें। संपर्क सूत्र:- 09829657398

IEML और GTE की ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी

भारत की अग्रणी परिधान तकनीकी प्रदर्शनी को मिलेगा नया वैश्विक विस्तार

नई दिल्ली/मिरर ब्यूरो

भारत की अग्रणी परिधान निर्माण तकनीकी प्रदर्शनी गारमेण्ट टेक्नोलॉजी एक्सपो (GTE) अब एक नई ऊंचाई पर पहुंचने को तैयार है। एशिया के प्रमुख प्रदर्शनी और सम्मेलन स्थल इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड (IEML) ने आज गारमेण्ट टेक्नोलॉजी एक्सपो प्रा. लि. में रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग जीटीई को तकनीकी रूप से उन्नत, राष्ट्रव्यापी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी मंच के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस गठबंधन के माध्यम से GTE और IEML परिधान एवं वस्त्र उद्योग को एक ऐसा अनुभव देने का लक्ष्य रखते हैं जिसमें अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन, गुणवत्ता- आधारित नेटवर्किंग और व्यापार विकास के अवसर समाहित हों।

नेतृत्व और विज़न- जीटीई की विरासत और संचालन का नेतृत्व उसके संस्थापक एवं चेयरमैन श्री इंदरजीत एस. सहनी और प्रबंध निदेशक श्री रिकी सहनी करेंगे। आईईएमएल की ओर से निदेशक श्री मुकेश गुप्ता और सीईओ श्री सुदीप सरकार भी जीटीई के बोर्ड का हिस्सा होंगे।

श्री इंदरजीत एस. साहनी ने इस साझेदारी को लेकर उत्साह जताया और कहा कि जीटीई ने पिछले 25 वर्षों में दिल्ली, अहमदाबाद और बेंगलुरु जैसे बाजारों में निरंतर प्रगति की है। आईईएमएल के साथ यह साझेदारी जीटीई के लिए एक नया, सुनहरा अध्याय है। हम आने वाले समय में और भी व्यापक और प्रभावशाली आयोजनों की अपेक्षा कर रहे हैं।

आईईएमएल चेयरमैन डा. राकेश कुमार ने कहा कि जीटीई जैसे प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म के साथ यह सहयोग, आईईएमएल की नवाचार-आधारित सोच और व्यापार मेलों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। देशभर में हमारी उपस्थिति और जीटीई की विशेषज्ञता मिलकर इसे भारत का प्रमुख टेक्सटाइल तकनीकी शो बनाएगी।

साझेदारी के प्रभाव और उद्देश्य- यह साझेदारी जीटीई की उद्योग विशेषज्ञता, विस्तृत नेटवर्क और आईईएमएल के विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे व संचालन दक्षता को एक साथ लाकर जीटीई को एक समग्र, नवाचार-प्रधान और तकनीक-समर्थ मंच बनाएगी।

- जीटीई अब देश के विभिन्न शहरों तक विस्तारित होकर प्रदर्शनी क्षेत्र और पहुँच दोनों को विस्तृत करेगा।
- जीटीई के साथ आईईएमएल की तकनीकी विशेषज्ञता, विशेष रूप से UPITS, UMIS, IHE, IFEX, Bharat Tex जैसे आयोजनों के अनुभव, आयोजनों के डिजिटलीकरण और प्रदर्शन गुणवत्ता में इजाफा करेगी।
- जीटीई अब स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, स्वचालन, सतत विकास और सस्टेनेबल टेक्सटाइल सोल्यूशंस का केंद्रीय मंच बनेगा।
- सम्मेलन, कार्यशालाओं और सेमिनारों का विस्तार करके उद्योग में ज्ञान साझा करने और विचार-विमर्श को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

वैश्विक विस्तार की दिशा में कदम- इस साझेदारी के तहत जीटीई का विस्तार अब न केवल भारतीय शहरों में होगा, बल्कि इसकी पहुंच और प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ेगा। आईईएमएल के साथ संयुक्त विपणन प्रयासों से जीटीई और अधिक विविध, समावेशी और ग्लोबल इंडस्ट्री पेशेवरों को आकर्षित करेगा।

आगामी आयोजन- 7 से 9 नवम्बर, 2025 , अहमदाबाद

20 से 23 मार्च, 2026, इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा

आईईएमएल में आयोजित जीटीई के पिछले संस्करण में 12,000 वर्ग मीटर में फैली प्रदर्शनी में 20 देशों के 12,500+ व्यापार आगंतुकों ने भाग लिया था, जो इस प्रदर्शनी की पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है।

कपड़ा व्यापार की वर्तमान स्थिति

चुनौतियाँ और संभावनाएँ

श्री गरीबनाथ बंका
कपड़ा व्यवसायी एवं सामाजिक चिंतक

मुज़फ्फरपुर/ भारत का कपड़ा उद्योग न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला सेक्टर है। लेकिन हाल के वर्षों में कपड़ा व्यापार कई बदलावों और चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

वर्तमान स्थिति की झलक

मांग में अस्थिरता- कोविड-19 के बाद से उपभोक्ता व्यवहार में काफी बदलाव आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग कुछ हद तक स्थिर है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में ब्राण्डेड और ऑनलाइन उत्पादों के कारण पारंपरिक कपड़ा बाजार पर दबाव बना हुआ है।

कच्चे माल की बढ़ती कीमतें- कॉटन, पोलिएस्टर, डाई और यार्न की कीमतों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से लागत में तेजी आई है। इससे थोक व्यापारी और रिटेलर्स दोनों को मार्जिन में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी की चुनौती- ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन ने परंपरागत खुदरा व्यापार के सामने एक नई चुनौती खड़ी की है। छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टिके रहना कठिन हो रहा है।

आयात-निर्यात में बाधाएँ- वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी, कंटेनर की कमी और बढ़ते टैक्स-टैरिफ ने कपड़ा निर्यात को प्रभावित किया है। इसके विपरीत, सस्ते चाइनीज़ व वियतनामी कपड़े भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे घरेलू व्यापारियों को नुकसान हो रहा है।

संभावनाओं की राह

स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा- 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फोर लोकल' जैसी पहलें घरेलू उत्पादन और व्यापार के लिए सकारात्मक संकेत दे रही हैं। अगर सरकार से सहयोग मिले, तो एमएसएमई कपड़ा इकाइयाँ एक बार फिर गति पकड़ सकती हैं।

डिजिटल अपनापन- व्यापारियों को ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट, और सोशल मीडिया मार्केटिंग को अपनाना चाहिए। इससे वे नए ग्राहकों तक पहुँच सकते हैं और प्रतिस्पर्धा में बने रह सकते हैं।

क्लस्टर आधारित नीति की ज़रूरत- कपड़ा व्यापार को राज्य और केंद्र सरकारों से विशेष आर्थिक ज़ोन की आवश्यकता है, ताकि एकसमान रूप से विकास हो सके और रोजगार के अवसर बढ़ें।

कपड़ा व्यापार इस समय संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर जहाँ बाजार की चुनौतियाँ हैं, वहीं तकनीक और नीतियों के ज़रिए इसमें नए अवसर भी निहित हैं। समय की माँग है कि व्यापारी, निर्माता और सरकार, तीनों मिलकर एक ऐसी रणनीति बनाएं जो भारतीय कपड़ा उद्योग को फिर से वैश्विक मानचित्र पर प्रतिष्ठित स्थान दिला सके।

Available at all leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005.
For franchise enquiries, contact: 09820197273. Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on:

Textile Exhibition & Trade Fair in India

Fabrics & Accessories Trade Show-25
10 - 12 Jul 2025
Pragati Maidan, New Delhi

Homtex 2025
10 - 12 Jul 2025
Pragati Maidan, New Delhi

WeaveKniTT Expo 2025
18 - 20 Jul 2025
Surat Internl. Exbt. & Convention Centre, Surat

Jaipur Kurti Manufacturers Fair 2025
21 - 22 Jul 2025
Rajasthan International Center, Jaipur

Yarn Expo 2025
01 - 03 Aug 2025
Surat Inter. Expo & Convention Centre, Surat

KNITSHOW 2025
08 - 10 Aug 2025
Knit Show Top Light Trade Center, Tiruppur

Global Garments & Technology Expo-25
12 - 14 Aug 2025
Helipad Ground Hall 9, Gandhinagar (Guj.)

Denim Show 2025
21 - 23 Aug 2025
Bharat Mandapam, New Delhi

Gartex Texprocess India 2025
21 - 23 Aug 2025
Yashobhoomi, New Delhi

RATAN BARJATIYA SPINNING PVT. LTD.
BARJATIYA BROTHERS
INDENTING AGENT & DEALERS
All Type of Textiles Yarn, Swing Threads, Multi Fold Yarn & Fabrics
MILLS
- RELIANCE INDUSTRIES
- INDORAMA SYNTHETICS LTD.
- SURYA GROUP OF COMPANY HYDERABAD
- SWATI SPINNING MILLS
- PEE VEE TEXTILES
- ANKUR UDYOG LTD.
- Jagdamba Spinning Mills Ltd. Nepal
- Aruppukottai Shri Jayavilas Ltd.
- shri Karthikeya Spg. Weaving Mills Pvt. Ltd.
- Punjab Spin & Linters
- Garg Acrylics Ltd.
- Shri Meenakashi Mill Ltd.
- Kennigton Industries Pvt. Ltd.
- Sivanta Spuntex Pvt. Ltd
E-165, RIICO Indust. Area, Near RIICO Office, Pur Road, BHILWARA (Raj.)
Talefax: 01482-248144-45, Mobile: 94141-13144, 94141-11036
E-mail: barjatiya_brothers@yahoo.co.in, barjatiyabrothers2014@gmail.com

BARJATIYA BROTHERS
Contact: 9928913144, 8764286144
RB SPINNERS, SURYALATA, ANKUR UDYOG, JAGDAMBA SPINNING

2/60 PV	260
2/40 PV	205
2/30 PV	182
2/24 PV	176
2/20 PV	170
2/18 PV	164
2/15 PV	162
2/40 PV	100
2/30 PV	170
Polyester Yarn	
2/60 Poly	240
2/40 Poly	185
2/30 Poly	162
2/24 Poly	156
2/20 Poly	148
2/15 Poly	142
Recycled Polyester yarn	
2/40 recycled	165
2/30 recycled	140
2/20 recycled	130
2/15 recycled	125
1/15 recycled	115
PC Yarn	
2/40 PC	255
2/30 PC	230
Black Yarn	
2/30 PV	145
2/30 PV	185
2/47 poly magic	176
2/47 pv magic	196

LKY Mills, AHMEDABAD
Contact : 098797 62474

20 POLY MVS	134
30 POLY MVS	144
40 POLY MVS	163
12 POLY MVS	128
20 VISCOSE VORTEX	196
30 VISO VORTEX	206
40 VISO VORTEX	226
10s poly slub	134
20s poly slub	144
30S GREY ACRYLIC	240
40S GREY ACRYLIC	260
2/28 DYED ACRYLIC	285
1/16 DYED ACRYLIC	245
40 POLYESTER DYED	165
2/40 DYED ACRYLCI	350
1/40 DYED ACRYLIC	335
26 PA DYED	185
30 RECYCLED	120
40 RECYCLED	140
40 AP DYED	200
2/36 ACRYLIC HANK	270
2/40 ACRYLIC HANK	280
16 CP OPEN END	100
20S VISCOSE RING	160
2/16 VISCOSE RING	200
2/16 ACRYLIC	215
2/20 ACRYLIC	215
16S ACRYLIC	205
2/10 PSY	135

SIDDHESHWAR TEXTILE
MOB. 94141-12223
MONOGRAM YARN-Viscose Rayon

180/2 DYED	490
150/2 DYED	540
150/2 Dyed Export surplus	500
120/2 Dyed	580
Polyester Bright Yarn (dope dyed)	
150/2, Dark	175
150/2 Light	165
150/2 color plus	165
150/2 bright catonic	170
150/2 Floroscent	185
150/2 White Bright	155
100/2 Dark	195
100/2 light	185
100/2 catonic bright	190
Shade-Floroscet	205
Acrylic & Viscose spun	
2/40 100% golden	460
2/34 Golden pearl	490
2/40 Acrylic 100% grey	430
2/36 Grey Pearl	460
2/30 Viscose 100% grey	230
2/40 Viscose	260
METALLIC YARN	
Golden/silver -440 denier	410
Golden/silver-120 denier	620
FANCY YARN	
2/48 PVT Magic Slub-New Delhi	205
2/48 PT Magic Slub-New York	NA
2/48 PT Blach Coin	NA
POLYESTER TEXTURISE TWISTED YARN	
200/96/325 Black	150
340 Dn Black Horen	NA
340 Denier Melody	NA
340 Denier Fortuner Twisted	NA
150/325 Bright Cationic	NA
150/325 Bright Black	NA

ARHAM SPINNING MILLS
Contact: 9352110125

2/40 CCW	255
2/30 pc 65/35 combed	230
1/20 pc 65/35 combed	190
1/30 pc combed 65/35	200
1/20 cotton lycra	NA
plus tax	257
10pc 65/35 cw	178
20pc	185
30pc	194

PEE VEE TEXTILE, NAGPUR
Contact: 98290 46955

15PV	152
SURYALATA	
15Polyester	176

VISAKA IND. LTD.
Contact: 93514 27900

2/20 Poly Grey	157
2/24 Poly Grey	162
2/30 Poly Grey	168
2/40 Poly Grey	196
2/60 Poly Grey	253
2/76 Poly Grey	312
2/30 PV Black	220
2/40 PV Black	260
2/30 PV HD Dyed	245

VALSON INDUSTRIES LIMITED
(MOB. 9414112223)
(DYED YARN)

Denier	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	220.50	230.50
150/0 Roto Dyed	225.50	235.50
150/350 Cone Dyed	236.50	246.50
85/0 Roto Dyed	228.50	238.50
85/300 Dyed	244.50	254.50
85 Royal Roto Twinst	251.50	261.50
80/108 Micro Royal	257.00	267.00
80/34/600 Dyed Yarm	261.00	271.00
80/72 Roto Cutluk Royal Roto	265.50	275.50
80/72 Roto Cutluk Dyed	241.00	251.50
150/350 Bright Dyed	264.50	274.50
85/Weft Dyed	226.50	236.50

(GREY YARN)

80/0 White Yarn	119
80/Roto White Yarn	122
80/300 Grey Yarn	150
80 Royal Warp Rotto	152
80/72/0 FD Cotlook HIM	184
80/2/72/300 FD ROTO	172
80/72/2 Royal Warp Catonic	132
150/325 Twisted Grey	135
150/325 Dope Dyed Black	143
150/500 DOPE DYDE BLACK	150
155/2/250 TPM White Yarn	134
80/1000 White Yarn	174
80/600 or 100/600 White Yarn	166
80/72/2 Him catonic	148

(Fancy Yarn)

250 Galaxy	N/A
160 Tex Space Dyed Sober	N/A
170/350 Br. Space Dyed Ellora	N/A
170/350 Sundram	N/A

C.T.M.
Contact: 9829045130

2/30 NTBL	216
2/18 DYED	176
2/40 DYED	256
2/50 DYED	321
2/30 FROSTED	216

RELIANCE CHEMOTEX IND. LTD.
Contact: 9029366939

2/30 SOLID DYED	219
2/40 SOLID TFO	259
2/30 FROSTED	224
2/18 BLACK	154
2/40 Black	234
2/50 CV German	359

Prahlad Rai & Co. (Gorakhpur)
Contact: 099358 27000
ANKUR

1/20 pv	NA
1/15 pv	NA
2/30 pv	NA
Jaanvi	
1/15PSY	127
Triveni	
2/40 PV	218
2/30 Pv	186
1/20 Pv	158
1/15 Pv	152

MODTEX TEXTURISER
Contact: 98292 50430

150/400 Cone DYED	198
150 HIM Cone Dyed	185
300 HIM Cone Dyed	184

Cd : 3rs/kg

R.T.M.
Contact: 98290 47404

2/18	176
2/30	216
2/30 Dyed Milange	212
2/30 black Milange	282
2/40	255

HIND SYNTEX LTD.
Contact: 94141 15916

2/15 PV TFO	160
2/30 TFO	182
1/15 PV	147
2/24 PV	175
2/30 POLYESTER TFO	157

GRASIM INDUSTRIES LTD.
Contact: 93521 45544

2/30NTBL	220
2/40 DYED	270
2/50 DYED	330

Gimatex Industries Ltd.
Contact:9414110791

2/30 PV Black	213
2/40 PV Black	243
2/30PVBlackSlub	NIL
2/30 Gray	195
2/30 Gray Slub	220
2/40 Gray	225

POLYPICK THREADS P. LTD.
Contact: 9351524689

150/ 2 BRT	155
150/ 2 DOPE DYED LIGHT	165
150/2 DOPE DYDE DARK	175
150/ 2 COLOR PLUS	175
150/2 RAYON	565
180/2 RAYON	485
2/40 ACRYLIC	445
ZARI GOLDEN	350
ZARI SILVER	350

RAGHAV GROUP
Contact: 9414111402
TRIDENT LIMITED

10 OE	168
14 OE	168
16 OE	172
20 OE	190
30 CWC	276
2/40 CW ELLY	268
40 CW COMPACT	320
50 CW COMPACT	355
60 CW COMPACT	395

Pawan Enterpises
Contact: 9414111656
Dubble All Yarn Mill TFO

1/10 Polyster	134
1/12 Polyster	135
1/15 Polyster	134
1/30 Polyster	151
2/20 Polyster	151
2/24 Polyster	160
1/10 Pv grey	150
1/15 Pv grey	152
1/20 Pv grey	162
1/24 Pv grey	167
1/30 Pv grey	172
2/15 Pv 70/30grey	162
2/18Pv 70/30grey	167
2/20 Pv 70/30grey	175
2/24 Pv 70/30grey	183
2/30 Pv 70/30grey	190
1/40 Pv grey	192
1/15 Pv 70/30 black	160
1/30 Pv 70/30 black	177
2/30 Pv 70/30 black	195
1/40 Pv 70/30 black	200
2/40 Pv 70/30 black	223
2/30 Pv 70/30 melange	195
2/30 100% Viscose	220
2/40 100% Viscose	245

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर्स में घत-बढ़त

Courtesy by **ProShareHub** BEST PROFIT IN BLUE CHIP STOCKS

TEXTILE COMPANIES LIST

S.NO.	COMPANY	FACE VALUE	PRICE AS ON 11/06/2025	PRICE AS ON 26/06/2025	change in %
1	AARVEE DENIMS	10	157.65	150.15	-5%
2	SUNRAKSHAK(AK SPINTEX)	10	1360.5	1228.5	-10%
3	ALOK INDUSTRIES	1	21.56	20.37	-6%
4	ARVIND LTD.	10	362.85	353.55	-3%
5	BANSWARA SYNTEX	5	153.01	145.95	-5%
6	BOMBAY DYEING	2	161.77	157.16	-3%
7	DAMODAR IND	5	38.05	35.75	-6%
8	DCM	10	106.32	109.53	3%
9	DEEPAK SPINNERS	10	145.45	144.95	0%
10	DONEAR	2	111.39	108.2	-3%
11	FILATEX INDIA	2	56.93	55.39	-3%
12	GARWARE TECH FIBERS	10	901.75	915	1%
13	GINI SILK	10	88.35	85.6	-3%
14	GOKALDAS EXPORTS	5	943.3	882.2	-6%
15	INDO RAMA SYNTHETICS	10	51.3	48.42	-6%
16	JCT	2.5	1.21	1.21	0%
17	KAMADGIRI FASHIONS	10	104.1	100	-4%
18	LUX INDUSTRIES	2	1506.7	1454.4	-3%
19	MAFATLAL	10	127.75	126.3	-1%
20	MARAL OVERSEAS	10	73.76	73.89	0%
21	MORARJEE TEX	7	8.28	8.25	0%
22	NAHAR SPINNING	5	286.1	279.35	-2%
23	NITIN SPINNERS	10	398.95	398	0%
24	ORBIT EXPORTS	10	181.68	214.36	18%
25	RAJAPALAYAM MILLS	10	934.35	949	2%
26	RAYMOND	10	596.4	598.95	0%
27	REL CHEMOTEX	10	190.5	181.49	-5%
28	RSWM LTD.	10	190.5	171.83	-10%
29	RUBY MILLS	5	222.2	235.53	6%
30	SANGAM	10	421.35	440.75	5%
31	SH. DINESH MILLS	10	327.4	324.5	-1%
32	SHEELA FOAM	5	665.6	744.4	12%
33	SHEKHAWATI POLY YARN	10	23.14	23.9	3%
34	SIYARAM SILK	2	727.5	699.65	-4%
35	SUTLEJ	1	41.77	39.85	-5%
36	TRIDENT LTD.	1	31.99	31.59	-1%
37	VARDHMAN TEX	2	493.25	485.8	-2%
38	WELSPUN	1	954.8	937.75	-2%

RECOMMENDATION: INDIAN ACRYLIC @12.1 TGT 30/40/50
PAUL MERCHANTS LTD @1256 TGT: 6000
EKANSH CONCEPTS @30.9 TGT 300/500
DMR HYDRO ENGINEERING @32 TGT 300
MP TODAY @40 TGT 400
GAJANAN SECURITIES @100 TGT 500/1000

TELEGRAM CHANNEL: https://t.me/prosharehub(FIND PROSHAREHUB ON TELEGRAM)
WHATSAPP:https://chat.whatsapp.com/J0jNZImKT2dJKPaQS3Z0oW

सदस्यता फॉर्म
सबसे बड़ा ऑफर

Tick Mark	No. of Years	Total Issue	Gross Rate	Save	For Bhilwara & By POST	Outstation (with Courier charge)
☐	1 Years	24	480/-	-	480/-	750/-
☐	3 Years	72	1440/-	90/-	1350/-	2200/-
☐	5 Years	120	2400/-	150/-	2250/-	3500/-

3 वर्ष की सदस्यता के साथ (1 वर्ष की सदस्यता फ्री)
5 वर्ष की सदस्यता के साथ (2 वर्ष की सदस्यता फ्री) + भीलवाड़ा डायरेक्ट्री फ्री

I am enclosing a Cheque/DD No. ________ drawn on (Specify Bank) ________ dated ________ favouring **TEXTILE MIRROR**, payable at Bhilwara for Rs.________

Subscriber Detail:
Name : ________ Designation : ________
Company's Name: ________
Address : ________
________ Pin : ________
City: ________ State: ________ Ph.: ________
Mobile: ________ E-mail: ________

Nature of Business:
☐ Manufacturer ☐ Processor ☐ Spinner ☐ Exporter-Importer ☐ Designer
☐ Agent ☐ Dealer ☐ Retailer ☐ Consultancy ☐ Other

घर बैठे 'टेक्सटाइल मिरर' मंगवाने हेतु सम्पर्क करें-
'TEXTILE MIRROR', D-297/2, Near Panndhai Circle, Azad Nagar, Bhilwara-311001
Customer Care: 096024 30777, E-mail: textilemirror1@gmail.com

विशेष निवेदन:-
* कृपया सदस्यता शुल्क हेतु चैक/डीडी 'Textile Mirror' के नाम से देय बनावें।
* साधारण डाक द्वारा 'टेक्सटाइल मिरर' की डिलीवरी में अनियमितता होने पर 'टेक्सटाइल मिरर' प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

'टेक्सटाइल मिरर' प्राप्त करने के लिए सदस्यता शुल्क सीधे ऑनलाइन पेमेण्ट या निम्न बैंक अकाउंट में भी जमा कराकर हमें सूचित कर सकते हैं-
Name- 'TEXTILE MIRROR' Account No.- 665305600064 Bank Name- ICICI Bank IFSC Code: ICIC0006653
Online Payment: Google Pay / Phone Pay / Paytm No: 98 290 85 976

मांग कमजोर, यार्न बाजार में स्थिरता

न तो तेजी और न ही मंदी के संकेत

मुम्बई यार्न/मिरर ब्यूरो

यार्न बाजार में हाल ही में आई तेजी को फिलहाल विराम लग गया है। भावों में मामूली गिरावट के बाद यार्न की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वर्तमान में यार्न की मांग कमजोर बनी हुई है, जिसके चलते बाजार में किसी बड़ी तेजी या मंदी की संभावना नहीं जताई जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यार्न की निर्यात मांग सीमित है और घरेलू बाजारों में भी खपत में गिरावट देखी जा रही है। भिवंडी जैसे प्रमुख वीविंग सेंटरों पर उत्पादन उनकी क्षमता से कम चल रहा है। तैयार कपड़े बाजार में पड़े हैं, लेकिन खरीददार नहीं मिल रहे हैं। रनिंग वैरायटी में भी कोई विशेष उठाव नहीं है, जिससे वीवर्स के पास कपड़े का स्टॉक नहीं बढ़ रहा है। इसका सीधा असर यार्न की खपत पर पड़ा है।

हालांकि, रूई के सस्ते भाव के चलते अधिकांश यार्न उत्पादक मिलें उत्पादन प्रक्रिया में किसी तरह की ढील नहीं बरत रही हैं। उत्पादन जारी है, लेकिन इससे मिलों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके, पाइपलाइन खाली होने के कारण भविष्य में मांग सुधरने की उम्मीद में मिलें फिलहाल उत्पादन बनाए हुए हैं।

कॉटन यार्न की तुलना में सिंथेटिक यार्न में फिलहाल उठाव बेहतर है। पीसी यार्न की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। साथ ही, यार्न के आयात पर अंकुश लगने से घरेलू यार्न की कीमतें वैश्विक स्तर से 25 से 30 प्रतिशत तक सुधरी हैं, जिससे भारतीय यार्न उत्पादकों को राहत मिली है।

पीवी और पीसी यार्न में भी सुधार की संभावना जताई जा रही है। इधर, ब्लेंडेड यार्न के भावों में भी थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। खासतौर पर नायलॉन मदर यार्न में पिछले 20 दिनों में प्रति किलोग्राम 80 से 90 रुपये तक की भारी वृद्धि हुई है।

कुल मिलाकर, यार्न बाजार फिलहाल स्थिर बना हुआ है। मांग की स्थिति में जल्द सुधार की उम्मीद है, जिससे आगे जाकर कारोबार में रफ्तार लौट सकती है।

बाजार में सुस्ती का दौर, तैयार माल की बिक्री में हो रही मुश्किलें

पिलखुवा/विनम्र प्रताप

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख कपड़ा निर्माण केंद्रों में से एक पिलखुवा इन दिनों मंदी के दौर से गुजर रहा है। कपड़ा उद्योग से जुड़े व्यापारियों और निर्माताओं को तैयार माल की बिक्री न होने से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय कारखानों में कामकाज में गिरावट दर्ज की जा रही है और इसका सीधा असर कपड़ा आपूर्ति श्रृंखला पर दिखाई दे रहा है। निर्यात ऑर्डरों में गिरावट के कारण कारखानों के पास उत्पादन की गति धीमी हो गई है और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

सूत्रों के अनुसार, हल्के धागों से निर्मित कपड़ों की मांग अभी भी घरेलू बाजारों में बनी हुई है, लेकिन भारी कपड़ों और थोक ऑर्डरों में कमजोरी देखी जा रही है। कपड़ा मंडियों में धागे की उठाव दर घट गई है, जिससे सूत मिलों की चिंता बढ़ रही है। सूत उत्पादक मिलें अपने स्टॉक को कम करने के लिए लगातार मंडियों पर दबाव बना रही हैं, लेकिन तैयार कपड़ों की मांग में कमी के कारण धागे की खपत में अपेक्षित तेजी नहीं आ रही।

व्यापार से जुड़े लोगों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण निर्यात बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। रूस-यूक्रेन और इज़राइल-ईरान जैसे संघर्षों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विश्वास को कमजोर किया है। जब तक इन परिस्थितियों में स्थिरता नहीं आती, तब तक टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के पुनरुत्थान की संभावनाएं सीमित हैं। घरेलू बाजार की स्थिति भी बहुत उत्साहजनक नहीं है। स्थानीय खरीदारों की ओर से उम्मीद के मुताबिक मांग नहीं निकल रही है, जिससे बाजार की रफ्तार धीमी बनी हुई है। हालांकि, व्यापारी उम्मीद जता रहे हैं कि आगामी त्योहारों की श्रृंखला रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, नवरात्रि और दीपावली जैसे पर्व कपड़ा व्यापार में तेजी लाने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

फिलहाल पिलखुवा के व्यापारी भविष्य में संभावित मांग को ध्यान में रखते हुए अपने व्यवसाय को संभालने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि स्थिति चुनौतीपूर्ण है, लेकिन त्योहारों और शादी-ब्याह के सीजन से पहले बाजार में रौनक लौटने की संभावनाएं बनी हुई हैं। यदि निर्यात ऑर्डर लौटते हैं और घरेलू मांग सुधरती है, तो पिलखुवा की कपड़ा मंडियां फिर से रफ्तार पकड़ सकती हैं।

रूई के भाव में लंबे समय से स्थिरता

मांग और आयात का असर स्पष्ट

मुम्बई रूई/मिरर ब्यूरो

देश में रूई के बाजार में लंबे समय से स्थिरता बनी हुई है। मौजूदा समय में रूई का भाव लगभग 54,000 रुपये प्रति गांठ के आसपास स्थिर है। कम घरेलू मांग और भारतीय कपास निगम द्वारा थोड़े कम दामों पर ऑफर देने से बाजार में फिलहाल किसी बड़ी तेजी की संभावना नहीं है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में रूई की कोई विशेष कमी नहीं है, लेकिन जिनिंग इकाइयों की स्थिति जरूर नाजुक बनी हुई है। देश में अब तक 302.50 लाख गांठ कपास की आवक हो चुकी है, जिनमें से करीब 256 लाख गांठ का उपयोग हो चुका है। रूई का निर्यात लगभग 15 लाख गांठ और आयात 30 लाख गांठ होने का अनुमान है।

सीसीआई के पास फिलहाल 67.25 लाख गांठ का स्टॉक उपलब्ध है। चालू वर्ष में सीसीआई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करीब 100 लाख गांठ की खरीदी की है। सीसीआई का भाव हाजिर बाजार की तुलना में थोड़ा कम होने से स्पिनरों को तो राहत है, लेकिन जिनरों को इससे मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

रूई का आयात लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2024-25 में 170 किलो की एक गांठ के अनुसार कुल 33 लाख गांठ के आयात की संभावना है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 15.2 लाख गांठ था। अमेरिका, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से सस्ती दरों पर रूई की पेशकश से भारत में आयात को बल मिला है।

भारतीय रूई अंतरराष्ट्रीय भाव की तुलना में महंगी होने के कारण स्पिनिंग उद्योग विदेशी रूई की खरीदारी कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारतीय रूई की कीमतें प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर आती हैं, तो इससे पूरे टेक्सटाइल उद्योग को लाभ मिलेगा।

कपास की बुवाई को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विदर्भ, खानदेश और मराठवाड़ा में बेमौसम बारिश और अनियमित मानसून के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अमरावती और यवतमाल जैसे क्षेत्रों में किसानों ने समय से पहले बुवाई शुरू कर दी है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और तेलंगाना में बारिश की कमी और असमय वितरण के कारण बुवाई में देरी की संभावना है।

समर्थन मूल्य में वृद्धि के चलते किसानों का रूझान कपास की खेती की ओर बना हुआ है, लेकिन मौसम की अनिश्चितता ने चिंता बढ़ा दी है। उधर गुजरात और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में समय पर बारिश होने से कपास की बुवाई में अपेक्षित प्रगति हुई है। कुल मिलाकर, रूई बाजार फिलहाल स्थिर बना हुआ है। लेकिन आयात की बढ़ती प्रवृत्ति और बुवाई के शुरुआती संकेत भविष्य में उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकते हैं।

डीकेटीई के छात्रों को इटली में 'इटालियन टेक्नोलॉजी अवॉर्ड', वैश्विक मंच पर इचलकरंजी का नाम रोशन

कोल्हापुर/ इचलकरंजी स्थित डीकेटीई टेक्सटाइल एंड इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूट के चार होनहार छात्रों ने इटली में आयोजित प्रतिष्ठित **'इटालियन टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी 2024'** कार्यक्रम में भाग लेकर भारत का गौरव बढ़ाया है।

इन छात्रों को 'इटालियन टेक्नोलॉजी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

यह अवॉर्ड इटली के तीन प्रमुख संस्थानों। CIMIT इटालियन मिनिस्ट्री फोर इकॉनोमिक डेवलपमेंट, और इटालियन ट्रेड एजेंसी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया।

पुरस्कृत छात्रों में कामाक्षी सुंदरम, भाग्य श्री खाडे, शुभम हुल्ले और गौरव मर्दा शामिल हैं, जिन्होंने टेक्सटाइल तकनीक पर आधारित प्रोजेक्ट्स में नवाचार और व्यावहारिक दृष्टिकोण दिखाया।

रक्षाबंधन और बारिश से चमका कपड़ा बाजार

थोक और खुदरा व्यापारियों में लौटा आत्मविश्वास

उज्जैन/ अभिषेक भूता

जहां एक ओर वैश्विक स्तर पर ईरान और इज़राइल के बीच टकराव ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचाई है, वहीं दूसरी ओर उज्जैन सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र में मानसून की कृपा से कपड़ा व्यापार में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही थोक और खुदरा कपड़ा बाजारों में ग्राहकी की चहल-पहल शुरू हो गई है। बारिश के अनुकूल मौसम ने बाजार में भरोसे का माहौल बनाया है और व्यापारियों की उम्मीदें एक बार फिर से परवान चढ़ रही हैं।

रक्षाबंधन पर ग्राहकी की पूरी उम्मीद- इस वर्ष रक्षाबंधन 1 अगस्त को आ रहा है। थोक व्यापारियों का मानना है कि इस पर्व की ग्राहकी लगभग 25 से 30 दिन तक चलेगी। व्यापारियों को पूरा भरोसा है कि 20 जुलाई के बाद खुदरा बाजार में ग्राहकों की आमद तेज होगी और अगस्त में रौनक अपने चरम पर होगी। खुदरा व्यापारी भी कह रहे हैं कि अच्छी बारिश से उपभोक्ता का आत्मविश्वास बढ़ा है, जिससे इस बार रक्षाबंधन पर बाजार में जबरदस्त बिक्री हो सकती है।

यूनिफॉर्म वस्त्रों की वापसी- बारिश और स्कूल खुलने के साथ यूनिफॉर्म वस्त्रों की मांग में फिर तेजी आई है। शर्टिंग और सूटिंग की अच्छी मांग है। मुंबई की मिलें अगस्त-सितंबर में अपनी नई स्कीमों और डिज़ाइन पैटर्न के साथ बाजार में उतरने की तैयारी कर रही हैं। उज्जैन स्थित श्री आनंद टेक्सटोरियम के अनुसार सूरत की प्रमुख कंपनी पगारिया सिंथेटिक्स ने रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए आकर्षक फैंसी शर्टिंग बाजार में उतारी हैं। सोधर्म टेक्सटाइल की क्वालिटियां भी काफी मांग में हैं।

थोक बाजार में सजने लगे रंगीन परिधान- गुरूकृपा टेक्सटोरियम, मयूर टेक्सटाइल, स्वामीजी ट्रेडर्स, ममता ट्रेडर्स और सुशीलकुमार मनीषकुमार जैसे प्रतिष्ठानों में शर्टिंग, सूटिंग और पेंट-शर्ट सेट की अच्छी मांग देखी जा रही है। अरिहंत ट्रेडर्स उज्जैन का प्रकाश प्रीमियम भी विशेष मांग में है।

साड़ियों और सलवार सूटों में फैंसी ट्रेंड- श्री विजय जैन (बड़े बाबा इंटरनेशनल) और पवन गोधा जैसे व्यापारी बता रहे हैं कि रक्षाबंधन के अवसर पर फैंसी क्वालिटी की साड़ियाँ और सलवार सूट विशेष रूप से मांग में हैं। प्रिंटेड साड़ियाँ, गोटा किनारी, लहंगा चुनरी व लांचा जैसे परिधानों की बिक्री की संभावना जताई जा रही है। लहरिया डिज़ाइनों की ओर ग्राहकों का रुझान बढ़ रहा है और पुराने लहरिया स्टॉक के निकलने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

बदलते मौसम में डिस्काउंट की बौछार- बारिश ने वातावरण को ठंडा बना दिया है, जिससे बाजार का मिजाज भी बदल रहा है। जगह-जगह डिस्काउंट ऑफर चल रहे हैं ताकि पुराने स्टॉक को हटाकर नया माल सजाया जा सके। यह रणनीति ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। इस बार रक्षाबंधन के साथ मानसून ने व्यापार में नई जान फूंकी है। बाजार में सकारात्मकता लौट रही है और व्यापारी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। आने वाले दिनों में रक्षाबंधन और त्योहारों के चलते कपड़ा कारोबार में और तेजी आने की पूरी संभावना है।

CMAI's 81st National Garment Fair Kidswear Edition Concludes Successfully

with Over 15,000 Trade Visitors, Signaling Strong Growth in the Segment

*Mumbai: CMAI successfully concluded the 81st National Garment Fair (NGF) – Kidswear Edition, held from **June 23 to 25, 2025**, at the Bombay Exhibition Centre, Goregaon East, Mumbai. This exclusive edition dedicated entirely to the kidswear segment saw overwhelming participation, drawing over **15,000** domestic buyers including retailers, wholesalers, and distributors, along with over 50 international buyers from countries such as Australia, Bangladesh, UAE, USA, UK, Malaysia, Kuwait, South Africa, and others.*

The show featured over 590 kidswear apparel brands exhibiting their latest Autumn/Winter, Festive, and Wedding season collections, spread across 3.5 lakh sq. ft. of exhibition space across three halls. The massive turnout and high-value bookings highlighted the rapid momentum in the kidswear market, further cementing NGF's reputation as India's largest and most influential garment trade fair.

Speaking on the occasion, CMAI President Santosh Katariya said, "Kidswear is now the fastest-growing category in India's apparel industry. The market is expected to grow from USD 22 billion in 2024 to USD 34 billion by 2029 at a CAGR of 9%. Rising incomes, digitally influenced parents, and the demand for quality and stylish wear even in Tier-2 and Tier-3 cities are driving this growth."

Rohit Munjal, Vice President and Chairman of CMAI's Fair Sub-Committee, added, "The success of this standalone Kidswear Edition validates the strategic importance of category-specific trade events. Exhibitors and buyers benefited from focused engagement, which led to significant orders. The strong footfall and overwhelmingly positive feedback have encouraged us to further strengthen this format."

Prominent retailers like Kalyan Silks, G3+, Madan Collection, Kings Lifestyle, and Kasam Selection attended the event, showcasing the fair's strategic sourcing importance.

Exhibitors also shared strong optimism: Sandeep Jain (Suruchi, Indore) noted the cultural demand for traditional kidswear during weddings.

· Rawal Mehta (My Silk, Surat) highlighted shifting consumer behavior from seasonal buying to need-based buying.

· Varinder Joshi (Duke Fashion, Ludhiana) emphasized the fast-evolving trends and high pace of innovation in the kidswear segment.

· Apoorva Khandhar (Badboys, Ahmedabad) observed increasing focus on quality and value-for-money purchases.

· Manish Khurana (Rivaaz, Delhi) shared that premium quality and styling are key differentiators in today's kidswear.

· Kanji Patel (Tiny Girl, Mumbai) projected a 15–20% growth this festive season, given the early festive calendar.

· Shubham Bagariya (Casa Dee Neene, Kolkata) noted resilience in the segment despite varying performances across regions.

स्कूल यूनिफॉर्म से बढ़ी बाजार की रौनक

त्योहारों व विंटर सीजन की तैयारी में जुटे व्यापारी

इचलकरंजी/ अशोक बुगड़

पिछले सप्ताह महाराष्ट्र में मानसून की भारी वर्षा ने जहां एक ओर कोंकण, पश्चिमी और मध्य महाराष्ट्र के क्षेत्रों में जनजीवन को प्रभावित किया, वहीं दूसरी ओर किसानों और वस्त्र व्यापारियों के लिए यह राहत और संभावनाएं लेकर आई है। पुणे, मुंबई, कोल्हापुर और सतारा जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया, लेकिन साथ ही कपास उत्पादक क्षेत्रों में अच्छी बारिश के कारण कपास की फसल बेहतर होने की उम्मीद जताई गई है। इससे किसानों के साथ वस्त्रोद्योग से जुड़े व्यापारियों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटी है।

स्कूल यूनिफॉर्म सीजन बना बाजार की जान

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ स्कूल यूनिफॉर्म की मांग में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्रियों से 90 प्रतिशत तक यूनिफॉर्म का माल थोक व खुदरा विक्रेताओं के पास पहुंच चुका है। कीमतों में पिछले साल की तुलना में 15-20 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद यूनिफॉर्म खरीदने के लिए दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। इससे खुदरा व्यापारी बेहद संतुष्ट नजर आ रहे हैं।

विवाह व त्योहारी मौसम के लिए बाजार सजने लगा

हालांकि विवाह के प्रमुख मुहूर्त नहीं हैं, फिर भी धूमधाम से शादियां हो रही हैं, जिससे परिधानों की हल्की-फुल्की बिक्री बनी हुई है। साथ ही आने वाले श्रावण और अन्य हिंदू त्योहारों के लिए व्यापारी अभी से तैयारी में जुट गए हैं। व्यापारी पुराने स्टॉक को मानसून सेल के जरिए निकाल रहे हैं ताकि नए व ट्रेंडी परिधानों के लिए जगह बनाई जा सके।

यार्न बाजार में मंदी, लेकिन उम्मीदें बरकरार- स्थानीय यार्न बाजार में फिलहाल सुस्ती है। ग्रे कपड़े की कम मांग और ऑर्डर पूरे हो जाने से यार्न की खपत घट गई है। कीमतें तो कम हैं, लेकिन मांग में अपेक्षित उछाल नहीं दिख रहा है। इसके बावजूद व्यापारी आने वाले सीजन को लेकर आशान्वित हैं।

फैशन में वापसी कर रहा है 'लिनन'

वर्तमान में युवा ग्राहकों और डिजाइनरों के बीच लिनन की मांग तेजी से बढ़ रही है। हाई फैशन ब्रांड्स से लेकर किफायती मार्केट तक, लिनन का उपयोग बढ़ा है। लिनन साड़ियों से लेकर ड्रेस डिज़ाइनों में विविधता लाई जा रही है। हालांकि, इसकी देखभाल एक चुनौती बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद बाजार में इसका क्रेज बरकरार है।

मानसून सेल बनी आकर्षण का केंद्र

थोक और खुदरा व्यापारियों ने 10 से 70 प्रतिशत तक की भारी छूट के साथ मानसून सेल शुरू की है। इसका उद्देश्य पुराने स्टॉक को समाप्त कर, त्यौहारी मौसम के लिए नया स्टॉक लाना है। दुकानों और मॉल्स में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है। व्यापारी मानते हैं कि अगर यही सिलसिला जारी रहा, तो जल्दी ही पुराना स्टॉक निपट जाएगा और बाजार में नई रेंज लाने का रास्ता खुलेगा।

निर्यात में दिखी मजबूती

रेडीमेड गारमेण्ट्स के निर्यात क्षेत्र से भी अच्छी खबर है। मई 2025 में भारत ने 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.5 बिलियन का निर्यात दर्ज किया। अप्रैल-मई की कुल वृद्धि 13 प्रतिशत रही, जो कि 3 बिलियन के स्तर को पार कर गई है। यह भारत के वस्त्र उद्योग की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसे को दर्शाता है।

ठंड के लिए तैयार हो रहा बाजार

बारिश के बाद जैसे-जैसे ठंड का मौसम दस्तक देगा, गर्म कपड़ों जैसे स्वेटर्स, शॉल, स्कार्फ़ और रजाइयों की मांग में तेजी आने की उम्मीद है। इस बार अधिक ठंड पड़ने की संभावना जताई गई है, जिससे गर्म वस्त्रों का व्यापार और भी बढ़ सकता है।

भले ही यार्न या कुछ रेडीमेड यूनिट्स में अस्थायी मंदी दिख रही हो, लेकिन शिक्षा सत्र की शुरुआत, विवाह आयोजनों, आने वाले त्योहारों और ठंड की आहट से इचलकरंजी और महाराष्ट्र का वस्त्रोद्योग धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। व्यापारी, उद्यमी और डिजाइनर सभी आने वाले सीजन को लेकर सजग और तैयार हैं।

सूती धागा कमजोर, पीसी यार्न में तेजी : रोटो और कपड़े में सुधार

मालेगांव/ पूरण सोमानी

बीते कुछ सप्ताहों में मालेगांव के कपड़ा उद्योग में उत्पादन, मांग और मूल्य स्तर में दिलचस्प उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। जहां एक ओर सूती धागा और पोपलीन केम्ब्रिक जैसे कपड़े कमजोर बने हुए हैं, वहीं दूसरी ओर पीसी यार्न (पोलिएस्टर-कॉटन) और उससे संबंधित कपड़ों में सुधार देखा गया है। साथ ही रोटो यार्न और कपड़ा सेगमेंट में भी गति आई है।

बरसात का असर और बाजार की मौजूदा स्थिति- महाराष्ट्र में मानसून पूर्व वर्षा के बाद नियमित मानसून भी सक्रिय हो गया है। किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह राहत की बात है, लेकिन मालेगांव जैसे टेक्सटाइल केंद्रों में इसका असर अलग दिखाई दे रहा है। बरसात की वजह से जहां कपड़ा खरीदारी में मंदी आई है, वहीं बाजारों में लेवाली कम और उत्पादन यथावत बना हुआ है। इस असंतुलन के कारण कई उत्पादों के भाव गिरे हैं।

बाजार विश्लेषण और व्यापारियों की राय- स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 6 जून से 13 जून तक ईद और अन्य त्योहारों की छुट्टियों के चलते पावरलूम उद्योग लगभग पूरी तरह बंद रहा, जो पहली बार देखा गया। जैसे ही बाजार दोबारा खुले, पीसी यार्न के दामों में तेजी आई और उसका असर कपड़ों के दामों पर भी पड़ा। व्यवसायी राजू मुंदड़ा के अनुसार कंपीटिशन बहुत अधिक है, जिससे कपड़े में लोचा चल रहा है। हर क्वालिटी का विकल्प उपलब्ध है, जिससे भावों में दबाव रहता है। बरसात के मौसम में वैसे भी व्यापार मंदा रहता है। दलाल भावेश डालिया ने बताया कि क्रूड ऑयल में बढ़ोतरी के चलते पोलिएस्टर (पोली) के दाम बढ़े हैं, जिससे पीसी यार्न महंगा हुआ है। हालांकि रोटो यार्न में सुधार की स्थिति बनी है। सुनील अग्रवाल ने भी पुष्टि की कि यार्न और कपड़ा दोनों सेगमेंट में व्यापार धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

सूती धागा व पोपलीन जैसे कपड़ों की कमजोरी- फिलहाल सूती धागा और पोपलीन केम्ब्रिक सेगमेंट में नरमी देखी जा रही है। उत्पादन भले जारी है लेकिन मांग कमजोर है, जिससे व्यापारियों को मूल्य में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि नुकसान अभी उस स्तर पर नहीं पहुँचा है कि उत्पादन रुके, इसलिए अधिकांश इकाइयाँ संचालन में हैं।

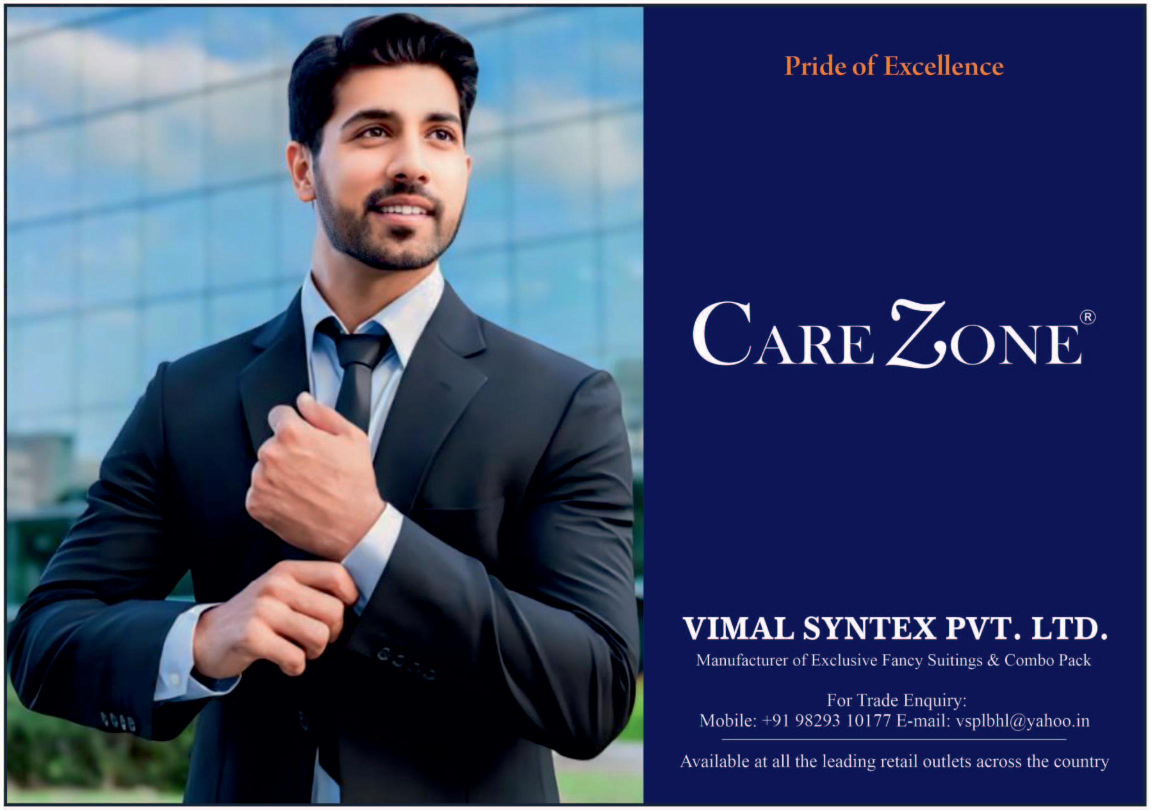

POSTAL REGISTRATION NO: BHILWARA/231/2024-2026 RNI REGISTRATION NO: RAJBIL/2012/437

शर्टिंग में लिनन और यार्न डाईड चेक्स की मांग बनी मजबूत, प्लेन फैब्रिक की मांग कमजोर

मुंबई/मिरर ब्यूरो

देशभर के कपड़ा बाजारों में इन दिनों मानसून की दस्तक के साथ ग्राहकी में सुस्ती देखी जा रही है। खासकर शर्टिंग सेगमेंट में जहां लिनन और यार्न डाईड चेक्स की मांग बनी हुई है, वहीं प्लेन शर्टिंग की मांग कमजोर पाई जा रही है। इसके अतिरिक्त, भिवंडी जैसे पावरलूम हब में ग्रे कपड़ों का उठाव भी धीमा है, जिससे इनकी कीमतों में मामूली गिरावट दर्ज की गई है।

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बरसात के मौसम में कपड़े की थोक और फुटकर बिक्री पर असर पड़ना सामान्य बात है, लेकिन इस बार बाजार पर अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव और घरेलू उत्पादन में गिरावट का दोहरा असर पड़ा है। गमह्न की वेरायटी जैसे कैम्ब्रिक, मलमल आदि के करीब 20 प्रतिशत स्टॉक अभी भी बाजार में बिना उठाव के पड़ा है, लेकिन निर्यात गतिविधियों के चलते इस बार मानसून के दौरान निर्यात सरप्लस कम देखने को मिल रहा है।

स्थानीय ग्राहकी में सुस्ती, निर्यात में कुछ आशा

देश के विभिन्न वीविंग क्लस्टर्स में उत्पादन क्षमता पहले से ही सीमित है और कारीगरों की कमी तथा सीमित घरेलू मांग के चलते उत्पादकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि गारमेंट एक्सपोर्ट में साउथ से अच्छी बुकिंग की खबरें मिल रही हैं। गारमेंट सेम्पलिंग का दौर अब समाप्त हो चुका है और कई निर्माता अब थोक बुकिंग की तैयारी में हैं।

लिनन और यार्न डाईड चेक्स की मांग बरकरार

वर्तमान बाजार परिदृश्य में लिनन शर्टिंग और यार्न डाईड चेक्स सबसे अधिक मांग वाली वेरायटी बनकर उभरी हैं। मुंबई के उत्पादकों द्वारा इन वेरायटियों में लगातार उत्पादन और गुणवत्ता बनाए रखने के कारण इनकी बाजार में स्थायी मांग बनी हुई है। दूसरी ओर, प्लेन शर्टिंग की मांग कमजोर है और विक्रेताओं को इस सेगमेंट में स्टॉक खपाना चुनौती बन गया है।

ग्रे फैब्रिक में उठाव कमजोर, कीमतों में गिरावट

भिवंडी और अन्य वीविंग क्षेत्रों में भले ही ग्रे कपड़ों का उत्पादन कम हो, लेकिन बारिश के चलते मांग में गिरावट आई है। इसके कारण एक से दो रुपये प्रति मीटर तक की गिरावट ग्रे कपड़ों के भाव में देखने को मिली है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक त्योहारों का सीजन नहीं आता, तब तक स्थिति में बदलाव की संभावना कम है।

आयातित मशीनों पर क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर को एक साल की राहत

टेक्सटाइल उद्योग से जुड़ी एक और अहम खबर यह है कि आयातित वीविंग और एम्ब्रॉइडरी मशीनों पर लागू होने वाले क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर की समय सीमा को सरकार ने एक वर्ष के लिए आगे बढ़ा दिया है। अगस्त 2024 से इसे अनिवार्य किया जाना था, लेकिन उद्योग संगठनों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार ने समयसीमा बढ़ा दी। इससे मशीन निर्माताओं और उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत मिली है, जिससे उद्योग में सकारात्मक माहौल बना है।

जियोपोलिटिकल संकट और क्रूड में नरमी का असर

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-इज़राइल तनाव, चीन-अमेरिका ट्रेड वॉर जैसे मुद्दों का कपड़ा उद्योग पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। हालांकि हाल ही में मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने और क्रूड ऑयल के भाव में स्थिरता आने से राहत की खबर है। व्यापारियों को उम्मीद है कि वैश्विक स्थिरता से निर्यात गतिविधियों में भी सुधार आएगा।

त्योहारी सीजन से उम्मीदें, व्यापारियों की नजर आगे पर

कपड़ा उद्योग के जानकारों का मानना है कि अगस्त नवंबर के बीच आने वाले त्योहारों और शादी के सीजन में बाजार में फिर से जान आने की संभावना है। तब तक लिनन, यार्न डाईड, फैशनेबल शर्टिंग और गारमेंट से जुड़े प्रीमियम फेब्रिक्स की मांग बनी रहने की उम्मीद है।

वर्तमान में बाजार दबाव में है लेकिन लिनन और यार्न डाईड चेक्स जैसे सेगमेंट को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। व्यापारियों और उत्पादकों को त्योहारों के मौसम का इंतजार है, जिससे वे बिक्री को रफ्तार देने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

300 करोड़ के निवेश से 'ऑरटेक्स टेक्सटाइल्स' का भव्य उद्घाटन

मोहाली/मिरर ब्यूरो

टिनोर ऑर्थोटिक्स ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर में एक बड़ा कदम उठाते हुए मोहाली, पंजाब में अपने नए परिधान उत्पादन प्रभाग का शुभारंभ किया। इस अत्याधुनिक यूनिट की स्थापना 300 करोड़ रुपये के निवेश से की गई है, जो 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फोर लोकल' जैसी राष्ट्रीय पहलों को मजबूती देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है।

'ऑरटेक टेक्सटाइल' मुख्य उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले टेक्निकल और हेल्थकेयर फैब्रिक्स का निर्माण करना है, जिससे न केवल घरेलू मांग पूरी हो सके, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी भारत की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया जा सके। इस प्लांट में आधुनिकतम ऑटोमेटेड मशीनरी, ईको-फ्रेंडली प्रोसेसिंग तकनीक और वैश्विक मानकों के अनुसार उत्पादन व्यवस्था स्थापित की गई है।

टिनोर ऑर्थोटिक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. पवन कुमार ने उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि 'ऑरटेक टेक्सटाइल' भारत की फैब्रिक इंडस्ट्री के लिए एक नया अध्याय है। हमारी मंशा है कि भारत टेक्निकल टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में वैश्विक लीडर बने और इस प्लांट के माध्यम से हम क्वालिटी, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को साथ लेकर चलेंगे।